सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सु-विचार
अगर खुद से नहीं हारे तो जीत निश्चित है...।
....अज्ञात

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-20 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 07 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जगदलपुर आगमन : राज्यपाल डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित मंत्रियों ने मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर किया आत्मीय स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का आज बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में गरिमामय आगमन हुआ। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पहुंचने पर राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव और महापौर संजय पांडे ने भी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का स्वागत एवं अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मां दंतेश्वरी की पावन, ऐतिहासिक एवं आस्था से परिपूर्ण धरती पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन है। इनका आगमन बस्तर अंचल सहित समस्त छत्तीसगढ़ के लिए गर्व, सम्मान और प्रेरणा का क्षण है। आदिवासी संस्कृति, परंपरा और समृद्ध विरासत से सुसज्जित इस पावन क्षेत्र में उनकी गरिमामयी उपस्थिति प्रदेश के विकास, जनजातीय अस्मिता और नई संभावनाओं को और अधिक सशक्त करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

खास-खबर

अंबिकापुर शहर में देव होटल के पास हुई फायरिंग से हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

शुक्रवार देर शाम शहर के बीचों-बीच स्थित देव होटल के समीप दो राउंड गोली चलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। अचानक गोली जैसी आवाज सुनते ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, अब तक पुलिस अधिकारियों ने गोली चलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन वे इससे साफ इनकार भी नहीं कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अचानक गूंजी गोली की आवाज, सहमे लोग

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुक्रवार देर शाम देव होटल के बाहर अचानक दो राउंड फायरिंग जैसी आवाज सुनाई दी। उस समय होटल और आसपास काफी संख्या में लोग मौजूद थे। आवाज सुनते ही लोग इधर-उधर भागने लगे और पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली और गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके साथ ही एएसपी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में तलाशी ली, लेकिन मौके से कोई ठोस सबूत बरामद नहीं हो सका।

12 बोर रायफल से फायरिंग की चर्चा

स्थानीय लोगों का कहना है कि परिसर में गोली चली है और संभवतः यह 12 बोर रायफल से फायरिंग हो सकती है। हालांकि, पुलिस ने इसकी भी अभी पुष्टि नहीं की है। गनीमत यह रही कि इस कथित हवाई फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ।

पुराने विवाद से जुड़ा मामला?

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पुराने विवाद को लेकर कुछ लोग हनी सिंह नामक युवक का बनारस रोड पर पीछा कर रहे थे। पीछा किए जाने के बाद युवक अपने होटल में आ गया। इसी दौरान गोली चलने की सूचना मिली, लेकिन किसने और कब फायर किया, इसकी पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है।

हथियार जब्त कर जांच की तैयारी

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर संबंधित हथियार को जब्त कर उसकी फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी, ताकि सच्चाई सामने आ सके। फिलहाल कार से पीछा किए जाने के मामले में शिकायत दर्ज कराने के लिए संबंधित पक्ष को कहा गया है। Asp ने कहा- सबूत नहीं मिले, जांच जारी। Asp सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया- 'गोली चलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर जांच की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं। जांच जारी है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।'

इलाके में दहशत, लोग डरे-सहमे

घटना के बाद से इलाके के लोग डरे हुए हैं। लोगों का कहना है कि शहर के बीच इस तरह की घटना कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। अब सबकी नजर पुलिस जांच पर टिकी है कि क्या वास्तव में फायरिंग हुई थी या यह सिर्फ अफवाह थी।

इधर पुलिस सूत्रों ने बताया कि गोलीकांड की जांच बेहद संजीदगी के साथ चल रही है। देर रात तक मामले का खुलासा भी पुलिस करेगी। सूत्र ऐसे बता रहे हैं कि पुरानी रंजीश को लेकर दहशत फैलाने का प्रयास किया गया है। पुलिस आरोपियों को नहीं बख्सेगी।

भिलाई निगम चुनाव से पहले भाजपा में महापौर पद को लेकर जबरदस्त मंथन

दावेदारों की लंबी कतार से बढ़ी सियासी हलचल तेज

आलोक तिवारी / भिलाई

भिलाई नगर निगम में नवंबरझ्रदिसंबर में संभावित चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह चुनावी मोड में नजर आ रही है। निगम में काबिज कांग्रेस की सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए भाजपा ने अभी से रणनीति बनानी शुरू कर दी है।

इसी कड़ी में जिला भाजपा संगठन द्वारा कान्हा किसली में पदाधिकारियों का चिंतन शिविर आयोजित किया गया, जहां संगठन विस्तार, चुनावी तैयारी और महापौर चुनाव को लेकर गहन चर्चा हुई। खास बात यह है कि इस बार भिलाई में महापौर का चुनाव सीधे जनता द्वारा किया जाना है, जिससे मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है।

ओबीसी आरक्षण ने बढ़ाई हलचल

भिलाई नगर निगम का महापौर पद इस बार ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित है। यही वजह है कि भाजपा में दावेदारों की संख्या तेजी से बढ़ी है। पार्टी द्वारा चार अलग-अलग टीमों से गोपनीय सर्वे भी कराया जा रहा है, जो शहर के विभिन्न इलाकों में लगातार सक्रिय हैं।

यूपी-बिहार वोट बैंक पर भी नजर

भिलाई को 'लघु भारत' कहा जाता है, जहां यूपी-बिहार समेत विभिन्न राज्यों के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। इस वर्ग का वोट कई वार्डों में निर्णायक भूमिका निभाता है। तुलसी और विजय साहू 2023 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे और उनकी जमीनी पकड़ मजबूत मानी जाती है। अन्य नामों पर चर्चा में भिलाई चरोदा क्षेत्र से कुर्मी समाज के शशिकांत बघेल, के नाम भी चर्चा में हैं।

महेश वर्मा सबसे आगे

महापौर पद के दावेदारों में पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पार्षद महेश वर्मा का नाम सबसे आगे चल रहा है। लोधी समाज से आने वाले महेश वर्मा की वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में मजबूत पकड़ मानी जाती है। पूर्व में जिला अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने संगठन को मजबूती दी थी। पिछले नगर निगम चुनाव में पार्टी की कमजोर स्थिति के बावजूद उन्होंने महापौर प्रत्याशी बनकर जिम्मेदारी निभाई थी। अब प्रदेश में भाजपा की सरकार और लोधी समाज के प्रभावी समीकरण को देखते हुए पार्टी एक बार फिर उन पर दांव लगा सकती है।

समीकरणों में उलझी भाजपा, फैसला आसान नहीं

दुर्ग नगर निगम ओबीसी महिला के लिए आरक्षित था जिसमें अलका बाघमार को विजय प्राप्त हुई, रिसाली नगर निगम अनुसूचित जाति के लिए और भिलाई चरोदा नगर निगम ओबीसी के लिए आरक्षित होने से पूरे जिले में जातीय व क्षेत्रीय समीकरण बेहद जटिल हो गए हैं। इन्हीं समीकरणों के बीच भाजपा नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती सही चेहरे के चयन की है, जो संगठन, समाज और वोट बैंक—तीनों को साध सके।

दीपक ताराचंद साहू की एंट्री से बढ़ी गर्मी

पूर्व सांसद स्व. ताराचंद साहू के पुत्र दीपक ताराचंद साहू भी मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। हाल ही में जयंती समारोह के जरिए उन्होंने अपनी राजनीतिक सक्रियता का संदेश दिया है। जातिगत और सामाजिक समीकरणों को देखते हुए पार्टी में उनके नाम पर भी गंभीर मंथन चल रहा है।

इसी समीकरण के चलते संतोष मौर्य का नाम भी तेजी से उभरा है। अंबेडकर नगर वार्ड से पार्षद संतोष मौर्य, दिवंगत नेता गुरु प्रसाद मौर्य के परिवार से आते हैं और निगम में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुखर रहे हैं।

पार्षद संतोष मौर्या, वार्ड-15 अंबेडकर नगर

अन्य बड़े दावेदार भी मैदान में

महेश वर्मा के बाद नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा का नाम भी प्रमुखता से लिया जा रहा है। निगम की कार्यप्रणाली पर उनकी गहरी पकड़ उन्हें मजबूत दावेदार बनाती है।

पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र साहू, जिन्हें सरोज पांडे गुट का करीबी माना जाता है, भी दौड़ में शामिल हैं।

वहीं वरिष्ठ नेता कन्हैया सोनी भी टिकट के लिए सक्रिय प्रयास कर रहे हैं। वे 2023 विधानसभा चुनाव में भी दावेदार रह चुके हैं।

टिकट किसे मिलेगा? बढ़ा सस्पेंस

कुल मिलाकर भिलाई नगर निगम चुनाव से पहले भाजपा में जबरदस्त राजनीतिक हलचल है। हर दावेदार अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटा है। वहीं पार्टी नेतृत्व चौंकाने वाले फैसलों के लिए भी जाना जाता है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है— क्या महेश वर्मा पर फिर भरोसा जताया जाएगा? या कोई नया चेहरा बाजी मार ले जाएगा? फैसला जो भी हो, इतना तय है कि भिलाई की सियासत आने वाले दिनों में और ज्यादा गरमाने वाली है।

भ्रष्टाचार

ड्रग कंट्रोलर संजय नेताम कार्यालय में ताला लगाकर हुए गायब

5 लाख रुपये नकद लेकर पहुंचे एनएसयूआई कार्यकर्ता

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नकली दवाओं के गंभीर प्रकरण में कार्रवाई न होने से नाराज NSUI के सभी साथी आज दोपहर 3 बजे रायपुर तहसील कार्यालय स्थित असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर संजय नेताम के कार्यालय पहुंचे और 5 लाख रुपये नकद ब्रीफकेस में लेकर उन्हें देने की पेशकश की, ताकि वे दवाई माफियाओं से रिश्वत लेना बंद कर जनता के स्वास्थ्य के साथ ईमानदारी से कार्य करें। लेकिन NSUI के पहुंचते ही संजय नेताम अपने कार्यालय में ताला लगाकर मौके से गायब हो गए, जो उनकी जवाबदेही से बचने की मानसिकता को दर्शाता है।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष NSUI शान्तनु झा ने बताया कि यह 5 लाख रुपये उनके कृषक पिता द्वारा अपने घर निर्माण के लिए वर्षों की मेहनत से जोड़कर रखी गई राशि थी, जिसे उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में फैले भ्रष्टाचार को रोकने और संजय नेताम द्वारा पैसों की कथित कमी दूर करने के उद्देश्य से आम जनता के हित में पदेने का निर्णय लिया है, ताकि सरकार और प्रशासन की आंखें खुल सकें।

ज्ञात हो कि लगभग 10 दिन पूर्व संजय नेताम रायपुर के एक निजी कैफे में नकली दवाइयों के कारोबारी के साथ सांठगांठ करते हुए मीडिया के कैमरों में रंगे हाथ पकड़े गए थे। इस गंभीर मामले को लेकर NSUI ने EOW तथा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जसवाल को औपचारिक शिकायत सौंपी थी, जिस पर विभागीय अधिकारियों ने 7 दिन में कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक किसी भी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि बीजेपी सरकार दोषी अधिकारी को बचाने का प्रयास कर रही है।

NSUI की स्पष्ट मांग है कि नकली दवा माफियाओं को संरक्षण देना तत्काल बंद किया जाए, पूरे मामले में दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए तथा असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर संजय नेताम को तुरंत निलंबित किया जाए। जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। कार्यक्रम मुख्यरूप से जिला अध्यक्ष शान्तनु झा सहित प्रदेश महासचिव निखिल बघेल महामंत्री सूरज साहू जिला उपाध्यक्ष सय्यद नूर, उत्कर्ष, तारिक अनवर, डीकेंद्र सिन्हा, महासचिव संस्कार पांडे, अभिनव, ऐश्वर्य, गोपाल वर्मा, विमल साहू, संदीप बंजारे, अभिषेक, कपिल सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

वीराजी के अंगना में शान से लहराता तिरंगा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

गणतंत्र दिवस के दिन सर्वकल्याण समाज के अध्यक्ष समाजसेवी इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने अपने पिता स्व. वीरा सिंह की स्माति में कोहका के वीरा सिंह के अंगना का लोकार्पण किया है। परिसर में 110 फीट का राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया गया। आज हवा का रूख कुछ इस ढंग से था कि तिरंगा शान से लहरा रहा था।

खास खबर

एस आई आर में प्रपत्र 7 के फर्जीवाड़ा पर अपराध दर्ज कराए आयोग - कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छ ग प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता एवं कांग्रेस लीगल सेल के प्रदेश महामंत्री रूपेश दुबे ने लचर व्यवस्था के चलते एसआईआर आम जनता को परेशान व सांजिश का शिकार होने वाली प्रक्रिया बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में स्वच्छ मतदाता सूची हो यह सभी की मंशा है लेकिन करण एसआईआर गणना पत्रक में 2003 के मतदाता सूची सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद प्रारंभिक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद पुनः उन्हें नोटिस जारी कर लाइन में लगवाया गया और अब दावा आपत्ति में जिस प्रकार से प्रपत्र 7 का दुरुपयोग कर व्यक्ति विशेष के नामों को चिन्हांकित कर उन्हें स्थानांतरित बताकर उनके नाम को कटवाने की साजिश किया जा रहा है जो उस मतदाता के संवैधानिक अधिकार पर चोट भी है।

खुलासा होने के बाद जिसके नाम से प्रपत्र 7 भरा गया है वह व्यक्ति प्रपत्र 7 नहीं भरने की बातें कर रहा है ऐसी स्थिति में पूरी प्रशासनिक प्रक्रिया एवं बीएलओ की कार्यवाही शंकास्पद है जो मतदाता एक माह पूर्व गणना पत्र भरे उसके नाम पर आपत्ति अन्य स्थान का व्यक्ति करे और उस प्रपत्र 7 में ना आपत्ति का विकल्प है को न मोबाइल नंबर है ना विधानसभा का उल्लेख है वैसे आवेदन लेना गंभीर चूक के साथ हस्तक्षेप का प्रमाण है बड़ी संख्या में एक व्यक्ति विशेष के द्वारा आपत्ति किया जाना आपराधिक कृत्य है।

ऐसी दशा में पूरी निर्वाचन प्रक्रिया दूषित हो रही है मतदाता के संबंध में गलत जानकारी देकर गंभीर साजिश की गई है।अतः प्रपत्र 7 में घोषणा के प्रावधानुसार गलत जानकारी प्रस्तुत की जाने की दशा में आवेदक/ प्रपत्र 7 पर हस्ताक्षरकर्ता पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (1950 का 43)की धारा की धारा 31 के तहत सीधे कार्यवाही प्रशासन को करना चाहिए है ऐसे फर्जी आवेदकों की पहचान आवेदन प्राप्तकर्ता बी एल ओ से की जावे ताकि निर्वाचन जैसे कार्य में प्रपत्रों का दुरुपयोग और फर्जीवाड़ा करने वालों को सबक मिल सके।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बालोद में अप्रेंटिंसशीप मेला का आयोजन 09 से

बालोद। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बालोद में भारत सरकार की शिक्षुता प्रशिक्षण अधिनियम 1961 के अंतर्गत नेशनल अप्रेंटिसशीप प्रमोशन स्कीम अंतर्गत 09 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे से अप्रेंटिसशीप मेला का आयोजन किया जा रहा है। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बालोद के प्राचार्य ने बताया कि अप्रेंटिसशीप मेला में शासकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं से आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी के अलावा 10वीं, 12वीं एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी अपने समस्त शैक्षणिक तथा आवश्यक प्रमाण-पत्र के साथ अप्रेंटिसशीप मेला में शामिल होकर अवसर का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वीबी-जी रामजी योजना का सफल क्रियान्वयन करने कहा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण की बैठक के दौरान वीबी-जी राम जी योजना को ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में क्रांतिकारी योजना बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई यह योजना एक नई ग्रामीण रोजगार योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका को बढ़ावा देना है। यह योजना मनरेगा की जगह पर शुरू की गई है और इसमें कई नए प्रावधान किए गए हैं।

वीबी-जी राम जी योजना के मुख्य बिंदु रोजगार की गारंटी- इस योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को साल में 125 दिनों का रोजगार दिया जाएगा। जो पूर्व में केवल 100 दिवस रोजगार प्रदाय करता था। इसके साथ ही अगर काम नहीं मिलता है, तो बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। मजदूरी का भुगतान एक सप्ताह के भीतर किया जाएगा। अगर मजदूरी का भुगतान 15 दिनों के भीतर नहीं किया जाता है, तो 0.05 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जाएगा। योजनांतर्गत ग्राम पंचायत को योजना बनाने और कार्यान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है।

वीबी-जी राम जी योजना का बजट प्रावधान - 2026-27 के लिए बजट 95,692.31 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती बजट 88,000 करोड़ रुपये (मनरेगा के लिए) निर्धारित था। मुख्यमंत्री ने योजना का बेहतरीन क्रियान्वयन करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने कहा। आईटी हब के क्षेत्र में दुर्ग भिलाई में बड़ा ऐतिहासिक कदम, आईटी के 40 कंपनियों एवं निवेशकों के बीच एमओयू हुआ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अगुवाई में अब दुर्ग भिलाई आईटी के क्षेत्र में नए क्रांतिकारक ऐतिहासिक कदम में दस्तक देने जा रहा है। मुख्यमंत्री साय की उपस्थिति में 40 आईटी कंपनियों और आईटी के निदेशकों के बीच एमओयू पर अनुबंध हुआ। इससे आईटी शिक्षा के क्षेत्र ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यस चिट फंड कंपनी के निवेशकों को सौंपी डूबे हुए निवेश की राशि, चिटफंड कंपनी के निवेशकों का भविष्य सुरक्षित, भविष्य का बुनियादी सपने गढ़ सकेंगे

छत्तीसगढ़ शासन सुशासन के साथ ही सुचिता के साथ प्रदेश के नागरिकों का भविष्य को सुरक्षित और सुदृढ़ करने की दिशा में सार्थकता, संकल्प के साथ कार्य कर रही है। इस दिशा में दुर्ग में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में यस चिट फंड कंपनी के निवेशकों को उनके द्वारा निवेश किए गए राशि का चेक भेट किया गया। इसके अंतर्गत 4601 हितग्राहियों को 7 करोड़ 38 लाख 24100 की राशि का चेक प्रदाय किया गया। प्रतीक स्वरूप मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हितग्राहियों को लाभांवित किया। यह दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन आमजनों के हित के साथ कदम मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि आमजनों के साथ धोखाधड़ी करने वाले किसी भी व्यक्ति को बक्सा नहीं जाएगा। भ्रष्ट व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किया जाएगा।

हथौड़े से मवेशी की हत्या, दुर्ग में पशु क्रूरता का आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के छावनी थाना क्षेत्र में पशु क्रूरता का एक मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने घरेलू मवेशी को लोहे के हथौड़े से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 5 फरवरी 2026 को छावनी थाना क्षेत्र के जलेबी चौक के पास सुंदर नगर नाला क्षेत्र में हुई।

पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने घरेलू पशु के साथ अमानवीय क्रूरता की है। घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस को पशु मृत अवस्था में मिला। शुरुआती जांच में पता चला कि पशु को लोहे के हथौड़े से बुरी तरह पीटा गया था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध क्रमांक 81/2026 दर्ज किया। भारतीय न्याय संहिता की धारा 325(3) बीएनएस और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी की पहचान बाबूराव उर्फ पण्डू (55) के रूप में की, जो दुर्ग के छावनी का निवासी है। पुलिस ने 6 फरवरी 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किया गया लोहे का हथौड़ा भी मौके से जब्त कर लिया है, जिसे मामले में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में शामिल किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के सामने पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

छत्तीसगढ़ में भी राजस्थान जैसा परिपत्र लागू करने की मांग, हर आवेदन पर पावती अनिवार्य हो

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ राज्य में आम नागरिकों द्वारा दिए जाने वाले आवेदन, सूचना, नोटिस, प्रस्ताव व परिपत्रों पर अनिवार्य रूप से पावती (Acknowledgement/रसीद) दिए जाने तथा सभी विभागीय कार्यालयों में ई-मेल आईडी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने की मांग उठी है।

आरटीआई उपभोक्ता जागरण से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता एवं जागरूक प्रेस से संबद्ध नरेन्द्र डाकलिया, निवासी 33 वधर्मान नगर, राजनांदगांव, ने इस संबंध में राज्य शासन से औपचारिक निवेदन किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा 25 सितंबर 2019 को जारी परिपत्र में यह स्पष्ट निर्देश हैं कि— हर आवेदन/शिकायत/परिवेदन की प्राप्ति रसीद देना अनिवार्य होगा।

विभागीय कार्यालयों में ई-मेल आईडी स्पष्ट स्थान पर प्रदर्शित की जाएगी। ई-मेल अथवा डिजिटल माध्यम से प्राप्त पत्रों को वैध शासकीय दस्तावेज माना जाएगा। इसके बावजूद छत्तीसगढ़ में आज भी कई विभागों में आवेदन लेने से इनकार, पावती न देना तथा 'ऑफलाइन ही मान्य' जैसे बहाने आम हैं, जिससे नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते हैं।

नरेन्द्र डाकलिया ने मांग की है कि छत्तीसगढ़ सरकार भी राजस्थान सरकार की तर्ज पर स्पष्ट परिपत्र जारी करे, ताकि— आम नागरिकों के अधिकार सुरक्षित हों, अधिकारियों/कर्मचारियों की जवाबदेही तय हो, डिजिटल माध्यम से प्रशासन में पारदर्शिता बढ़े, उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा परिपत्र सभी विभागों, कलेक्टर कार्यालयों, निकायों एवं पुलिस कार्यालयों में लागू कर व्यापक प्रचार किया जाना चाहिए, ताकि आम जनता को इसकी जानकारी हो और मनमानी पर रोक लगे।

रायपुर जिले के दो उचित मूल्य दुकानों में अनियमितता पाए जाने पर खाद्य विभाग ने की वसूली की कार्यवाही

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर जिले में दो उचित मूल्य के दुकानों में अनियमितता पाये जाने पर वसूली की कार्यवाही की गई है। साथ ही प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सभी आवश्यक वैधानिक कदम उठाए जा रहे हैं। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दो उचित मूल्य के दुकानों के विरुद्ध अनियमितताओं की पुष्टि होने पर उनसे वसूली हेतु आर आरसी जारी कर राजस्व वसूली की कार्यवाही की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि पात्र हितग्राहियों को राशनकार्ड के माध्यम से नियमित रूप से खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। वहीं फिंगर प्रिंट न आने की स्थिति में हितग्राहियों को नामिनी के माध्यम से अथवा ओटीपी आधारित सत्यापन द्वारा राशन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कोई भी पात्र हितग्राही खाद्यान्न से वंचित न रहे। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा फेस ई-केवाईसी की सुविधा भी लागू की गई है, जिससे वृद्ध, असहाय एवं अस्वस्थ राशनकार्डधारी घर बैठे ही सत्यापन कर सकते हैं।

रायपुर जिले में उचित मूल्य दुकानों से कम पाए गए खाद्यान्न की जांच व नियमानुसार कार्यवाही कर शासन को संभावित आर्थिक क्षति से बचाया गया है। सितंबर 2022 के भौतिक सत्यापन में अंतर पाई गई 08 उचित मूल्य दुकानों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज किया जा चुका है। सत्यापन में 2289.07 क्विंटल चावल, 19.75 क्विंटल शक्कर एवं 31.17 क्विंटल नमक की वसूली शेष है। वहीं मार्च 2024 के भौतिक सत्यापन में स्टाफ में अंतर पाई गई 03 उचित मूल्य दुकानों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज किया गया है। इन उचित मूल्य के दुकानों से 1924.65 क्विंटल चावल, 26.19 क्विंटल शक्कर एवं 39.15 क्विंटल नमक की वसूली शेष है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखना तथा हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अनियमितता या नियम उल्लंघन पर कठोर कार्यवाही जारी रहेगी।

नाले की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण से बिगड़ी जल निकासी व्यवस्था, ट्रांसफार्मर लगाने की अनुमति पर जताई आपत्ति

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मांग

पूर्व पार्षद ऋषि शास्त्री ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है

राजीव नगर स्थित जिला अस्पताल से मोहारा नदी मार्ग तक नाले की शासकीय भूमि पर लगातार हो रहे अतिक्रमण से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो गई है। इस संबंध में युवा नेता एवं पूर्व पार्षद ऋषि शास्त्री ने कलेक्टर के नाम लिखित ज्ञापन सौंपते हुए मामले की जांच एवं त्वरित कार्रवाई की मांग की है। ऋषि शास्त्री ने कहा कि नाले की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के कारण नाला कई स्थानों पर अत्यधिक संकरा हो गया है, जिससे वर्षा ऋतु में पानी का प्राकृतिक बहाव बाधित होता है। इसके परिणामस्वरूप आसपास के रिहायशी क्षेत्रों, मुख्य मार्गों,राजीव नगर एवं जिला अस्पताल परिसर में हर वर्ष जलभराव की गंभीर स्थिति निर्मित हो जाती है।

उन्होंने बताया कि जलभराव से आम नागरिकों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, वहीं दुर्घटनाओं, संक्रामक बीमारियों एवं जनहानि की आशंका भी बनी रहती है, जो सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य एवं जनसुरक्षा से जुड़ा विषय है। शास्त्री ने आरोप लगाया कि जिला अस्पताल के सामने से लेकर लोहा बाड़ा क्षेत्र तक नाले की शासकीय भूमि पर पूर्व में निजी अस्पतालों, कॉलोनियों एवं विभिन्न संस्थानों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। इस संबंध में प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया, किंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण अतिक्रमण लगातार बढ़ता गया और नाले की प्राकृतिक संरचना को गंभीर क्षति पहुंची है।

उन्होंने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि अब नाले के किनारे शासकीय भूमि पर बिजली विभाग द्वारा ट्रांसफार्मर स्थापित करने के लिए एनओसी दिया जाना अत्यंत चिंताजनक एवं नियमों के विपरीत है। नाले की भूमि पर इस प्रकार का निर्माण भविष्य में जल संकट को और गंभीर बना सकता है, साथ ही यह जनसुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। ऋषि शास्त्री ने प्रशासन से मांग की कि नाले की शासकीय भूमि को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, नाले की मूल चौड़ाई एवं प्राकृतिक जल प्रवाह को बहाल किया जाए तथा पूरे प्रकरण में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को बरसात के मौसम में होने वाली जलभराव की समस्या से स्थायी राहत मिल सके।

गौरतलब है कि शहर के अन्य हिस्सों में भी अतिक्रमणकारी शासकीय जमीनों को नहीं बख्श रहे है। अतिक्रमणकारियों का निगम प्रशासन और प्रभावशाली जनप्रतिनिधियों को संरक्षण प्राप्त है। जिससे आम लोग परेशान है।

महात्मा गांधी नरेगा के तहत लंबित समस्याओं के त्वरित समाधान और योजनाओं के लाभ का मिलेगा एक मंच

प्रोत्साहन

आज ग्राम पंचायतों में चावल महोत्सव के साथ रोजगार और आवास दिवस का होगा आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आज चावल महोत्सव के साथ-साथ महात्मा गांधी नरेगा के तहत रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण जनता को शासन की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना, लंबित समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का सीधा लाभ सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में हितग्राही नागरिकों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

इस संबंध में बजरंग कुमार दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग ने बताया कि यह संयुक्त आयोजन शासन की जनकल्याणकारी सोच को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता यह रहेगी कि किसी भी हितग्राही की समस्या लंबित न रहे। सभी स्वीकृत आवासों में कार्य प्रारंभ हो, मस्टर रोल जारी हों तथा मजदूरी एवं किस्तों का भुगतान समय पर किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आयोजन से पूर्व सभी लंबित समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। ग्राम पंचायतों में चस्पा किए गए योजना क्यूआर कोड को स्कैन कर श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही महात्मा गांधी नरेगा के तहत आजीविका डबरी निर्माण, जल संरक्षण कार्यों एवं प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित जानकारी भी दी जाएगी। इस नवाचारी पहल के अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार एवं आवास से जुड़ी सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

आवास दिवस के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र हितग्राहियों की सूची का वाचन, नए स्वीकृत आवासों के प्रमाण-पत्रों का वितरण तथा आवास निर्माण से जुड़ी तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। योजना के विशेष रूप से ई-केवाईसी लंबित मामलों, किस्तों के भुगतान तथा 90 दिवस की अकुशल मजदूरी राशि से संबंधित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही आवास निर्माण कार्यों में सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु स्व-सहायता समूहों के माध्यम से सामग्री बैंक की स्थापना की जाएगी।

अनुभव केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में 34 स्क्रीन पर 1000 विद्यार्थियों ने देखा 'परीक्षा पर चर्चा'

परीक्षा को अपना बोझ नहीं, संतुलन और आत्मविश्वास का उत्सव बनाएं - डॉ. अजय

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में प्रधानमंत्री के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण 34 स्क्रीन के माध्यम से किया गया, जिसे विद्यालय के लगभग 1000 छात्र-छात्राओं ने देखा। इस अवसर पर डॉ. अजय आर्य ने प्रधानमंत्री द्वारा कार्यक्रम के दौरान कही गई बातों को रेखांकित करते हुए अपने अनुभव व प्रतिक्रिया साझा की।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को स्पष्ट संदेश दिया कि पढ़ाई में किसी और के पैटर्न की नकल करने के बजाय अपने स्वयं के पैटर्न के अनुसार तैयारी करनी चाहिए। इसे समझाने के लिए प्रधानमंत्री ने भोजन का उदाहरण दिया कि विधिवत परोसे गए साधारण भोजन को भी हर व्यक्ति अपने ढंग से खाता है, कोई पहले मीठा, कोई खट्टा, कोई दाल-चावल मिलाकर तो कोई अलग-अलग, कोई थोड़ा-थोड़ा तो कोई क्रम से। जब खाने का तरीका सबका अलग हो सकता है, तो पढ़ने का तरीका भी अलग-अलग होना स्वाभाविक है; अपने पैटर्न से अभ्यास करने पर ही क्षमताओं का सही विकास होता है।

डॉ. आर्य ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री ने टीचर से एक कदम आगे चलने, दिव्यांग बच्चों का हाथ पकड़कर उन्हें सहारा देने, दिव्यांग छात्रा मानसी को नाम लेकर प्रेरित करने, केवल मार्क्स नहीं बल्कि स्किल्स पर जोर देने, पहले से पढ़कर आने, म्यूजिकल मूवमेंट के साथ सीखने, 'बढ़ता चल तू बढ़ता चल, तू कुछ करता चल' जैसे मंत्र से निरंतर प्रयास और गीता के माध्यम से देश की एकता, कर्तव्य व सकारात्मक सोच का संदेश दिया, जो विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा।

कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय की प्राचार्य पुष्पा बड़ा ने सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के संदेशों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव मुक्त होकर अध्ययन करने, आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में सम्मिलित होने तथा परीक्षा को बोझ नहीं बल्कि सीखने की प्रक्रिया के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया और कहा कि संतुलन, अनुशासन, सकारात्मक सोच और निरंतर अभ्यास से ही सफलता सुनिश्चित होती है। केंद्रीय विद्यालय के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम को छात्र-छात्राओं के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

फर्जीवाड़े का खुलासा: लूट की झूठी कहानी रचने वाला गिरफ्तार, बीमा राशि हड़पने की थी साजिश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

थाना कुम्हारी पुलिस ने लूट की झूठी सूचना देने वाले एक आवेदक को गिरफ्तार कर फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। आरोपी ने व्यापार में हुए नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा/बीमा राशि प्राप्त करने के उद्देश्य से लूट की झूठी कहानी रची थी। पुलिस ने कथित रूप से लूटी गई ज्वेलरी आरोपी की ही दुकान से बरामद कर ली है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 5 फरवरी 2026 को ग्राम कुगड़ा निवासी नितेश देवांगन ने थाना कुम्हारी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि ज्वेलरी खरीदकर लौटते समय कुगड़ा रोड स्थित सार्थक होम के पास तीन अज्ञात व्यक्तियों ने धारदार हथियार दिखाकर उससे सोने की ज्वेलरी एवं नकदी लूट ली। सूचना मिलते ही थाना कुम्हारी पुलिस एवं अउउव टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया गया, लेकिन प्रार्थी के कथन के अनुरूप कोई संदिग्ध फुटेज नहीं मिला।

मामले को संदिग्ध पाते हुए पुलिस ने प्रार्थी से कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उसने स्वीकार किया कि उसने किसी भी प्रकार की लूट नहीं हुई थी। आरोपी ने बताया कि व्यापार में नुकसान होने के कारण बीमा/मुआवजा राशि प्राप्त करने की नीयत से उसने झूठी सूचना दी थी और कथित लूटी गई ज्वेलरी उसकी स्वयं की दुकान में ही रखी हुई थी। आरोपी के बताए अनुसार सोने की ज्वेलरी बरामद कर ली गई।

पुलिस ने लोक सेवक को जानबूझकर झूठी सूचना देने के अपराध में आरोपी नितेश देवांगन के विरुद्ध वैधानिक एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जप्त सामग्री में सोने की ज्वेलरी - 07 जोड़ी टाप्स, 05 जोड़ी बाली, कुल वजन लगभग 30 ग्राम शामिल है। इस पूरे प्रकरण के त्वरित खुलासे में थाना कुम्हारी पुलिस टीम एवं अउउव टीम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

खास खबर

टीम प्रहरी अभियान के तहत जोन 9 में सख्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन एवं नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार नगर निगम जोन क्रमांक 9 क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सघन कार्रवाई की गई।

नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़नदस्ता एवं जोन 9 नगर निवेश विभाग द्वारा यातायात पुलिस बल की उपस्थिति में यह अभियान संचालित किया गया। कार्रवाई जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा के मार्गदर्शन तथा कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, सहायक अभियंता सैय्यद जोहेब एवं उप अभियंता अतुल बंसल की उपस्थिति में की गई। जनशिकायत के आधार पर मोवा अंडरब्रिज के नीचे अवैध रूप से लगाए गए 14 ठेलों को क्रेन की सहायता से हटाया गया। इस कार्रवाई से यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया गया तथा जनहित में समस्या का त्वरित समाधान किया गया।

इसी क्रम में जोन 9 क्षेत्र अंतर्गत प्रेम नगर, मोवा में आवासीय क्षेत्र में संचालित एक बेकरी के संबंध में प्राप्त जनशिकायत को सही पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करते हुए बेकरी को सीलबंद किया गया। आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधि संचालित किए जाने पर यह कार्रवाई की गई। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनशिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण प्राथमिकता है तथा अवैध कब्जे एवं नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रभात मिश्रा को छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष नियुक्त

रायपुर। राज्य सरकार ने राज्य की राजभाषा को और ज्यादा सशक्त और प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। शासन की ओर से प्रभात मिश्रा को छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसे लेकर संस्कृति विभाग की ओर से आदेश भी जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के मुताबिक राज्य शासन ने अपने निहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए प्रभात मिश्रा को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है।

शासन के इस फैसले को राजभाषा के प्रचार-प्रसार और शासकीय कार्यो में हिंदी के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में अहम माना जा रहा है। नवनियुक्त अध्यक्ष प्रभात मिश्रा रायपुर जिले के टिकरापारा स्थित नंदी चौक क्षेत्र के रहने वाले हैं। प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए शासन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

मुख्यमंत्री साय ने सरना एथनिक रिसॉर्ट जशपुर को प्रदान किया ग्रीन लीफ अवॉर्ड

भारत सरकार के जल शक्ति और पर्यटन मंत्रालय द्वारा दिया गया है यह अवार्ड

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

जशयपुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। जशपुर स्थित सरना एथनिक रिसॉर्ट को रिसॉर्ट एवं परिसर में स्वच्छता तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के मानकों पर पूर्णतः उपयुक्त पाए जाने पर वर्ष 2025-26 हेतु प्रतिष्ठित ग्रीन लीफ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस पुरस्कार को छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य को प्रदान किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की अथक मेहनत और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

ग्रीन लीफ अवॉर्ड पर्यटन क्षेत्र में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने वाला एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय द्वारा संचालित स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग का हिस्सा है। यह अवॉर्ड होटलों, रिसॉर्ट्स, होमस्टे और अन्य पर्यटन इकाइयों को प्रदान किया जाता है जो उच्च स्वच्छता मानकों, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन, ऊर्जा दक्षता तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के दिशा निर्देशों का पालन करते हैं।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने हाल के वर्षो में पर्यटन विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। बोर्ड ने इको-फ्रेंडली रिसॉर्ट्स, होमस्टे और ट्रेकिंग रूट्स विकसित कर पर्यटन राजस्व में वृद्धि दर्ज की। जशपुर के सरना एथनिक रिसॉर्ट को मिला यह सम्मान बोर्ड की स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और स्थानीय समुदाय सशक्तिकरण की नीतियों का जीवंत प्रमाण है। इससे राज्य में पर्यटन को नई गति मिलेगी।

पहचान भले ही अलग हो लेकिन सभी राज्यों की आत्मा एक भारत में है: राज्यपाल डेका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज राजभवन में 6 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की पहचान भले ही अलग-अलग हो लेकिन इन सब की आत्मा एक भारत में है। केन्द्र सरकार के ह्लएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्व कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में आंध्रप्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, झारखंड और नागालैण्ड राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान का आदान-प्रदान करना है जो आपसी समझ और सद्भाव को बढ़ावा देगा, जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी। इस परिप्रेक्ष्य में आज का कार्यक्रम एक गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि हर राज्य का स्थापना दिवस, उस राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन होता है। राज्य की समृद्धि और विकास का गवाह यह दिन हमें अपने राज्य की स्थापना के मूल उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता दिखाता है। इन राज्यों का स्थापना दिवस,

केवल उनके विकास की यात्रा का उत्सव नहीं है बल्कि भारत की विविधता और एकता का प्रतीक है।

उन्होंने विभिन्न राज्यों की विशेषताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि देश के विकास में आंध्रप्रदेश का शानदार योगदान है। यह राज्य मछली के लिए प्रसिद्ध है। यह तिरूपति बालाजी की देव भूमि है। इसी तरह पंजाब वीरों की भूमि है। गुरूतेग बहादुर के बलिदान को सब जानते है। भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व समुदाय में पंजाबियों का बहुत योगदान है। हरियाणा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह राज्य प्राचीन परंपरा का मूलभूत केंद्र है। यह वही भूमि जहां से महाभारत का संदेश पूरी मानवता तक पहुंचा। झारखण्ड राज्य खनिज का हब है। चंडीगढ़ बहुत सुंदर और नियोजित प्रदेश है। नागालैण्ड बहुत खूबसुरत राज्य है। यहां की जनजातीय संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। इस राज्य के लोगों की बहादुरी की कहानियां दूसरों को प्रेरित करती हैं।

श्री डेका ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम हमारे बीच संवाद, सहयोग और सद्भाव को और मजबूत करता है। समारोह में विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी, वनवासी आश्रम की छात्राएं, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय फेस-2 का कार्य जल्द होगा प्रारंभ : सोनमणि बोरा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर। नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय फेस-2 निर्माण के लिए जल्द ही कार्य प्रक्रिया शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही कन्वेंशन सेंटर का भी निर्माण किया जाएगा। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान स्थित सभाकक्ष में आर्किटेक्ट, इंजीनियर्स, आर्टिस्ट एवं विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कायर्योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष एक नवंबर को राज्योत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का शुभारंभ हुआ था। इसके पहले जनजातीय जीवन शैली एवं परम्पराओं पर आधारित संग्रहालय का उद्घाटन मई 2025 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया था। इन संग्रहालयों की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के बाद अब शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय फेस-2 का कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बैठक में कहा कि संग्रहालय में कैफेटेरिया, गढ़ कलेवा एवं अन्य दुकानें भी खोली जानी हैं इस संबंध में अंतिम रूपरेखा पर चर्चा की गई। उन्होंने संग्रहालय फेस-2 के अंतर्गत ही आकर्षक बागवानी, परिसर के भीतर स्थित नंद सागर का सौंदर्यीकरण, फॉउंटेन एवं पार्किंग की बेहतर व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में नवनिर्मित छात्रावास के पास ही निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर की रूपरेखा पर भी चर्चा की। इसके डिजाइन एवं लेआउट पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक संशोधन करने के निर्देश दिए। इस कन्वेंशन सेंटर में एक ऑडिटोरियम, आर्ट गैलरी, प्रदशर्नी हॉल, मीटिंग रूम, प्रशासनिक भवन, फूड कोर्ट आदि की व्यवस्था रहेगी।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने छात्राओं को बांटी साइकिल

बधाई व शुभकामनाएं

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी विद्यालय एनसीडीसी के 68 छात्रों को बोले : खूब पढ़े-खूब बढ़े

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय एनसीडीसी कोरबा में , छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत छात्राओं को साइकिल वितरित की। सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जलवन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

इस दौरान मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत स्कूल में छात्राओं को साइकिल वितरण किया जा रहा है। सभी छात्राओं को बधाई व शुभकामनाएं। खूब पढ़े-खूब बढ़े, बेटियां हैं तो कल है ,सभी बच्चें लगन से पढ़ाई करें और अपने विद्यालय का नाम रोशन करें, हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की सोच है कि शिक्षा के क्षेत्र में लगातार विकास करते हुए छात्र-छात्राओं को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करें।

इसी उद्देश्य के साथ कोरबा जिले के सभी जर्जर हो चुके शासकीय स्कूलों के नवीन भवन निर्माण को तेजी से कराया जा रहा है, स्कूलों में निशुल्क नाश्ता का प्रदाय किया जा रहा है। मेधावी छात्र-छात्राओं को विशेष कोचिंग की सुविधा रायपुर भेज कर उपलब्ध कराई जा रही है। हमारी छात्राओं को स्कूल आने में परेशानी ना हो जिसके लिये सरस्वती साइकिल योजना के तहत सरकार द्वारा साइकिल वितरण किया जा रहा है, शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के लिए अच्छा अवसर देना हमारा कर्तव्य है। हमारी सरकार के मंशा के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में आगे की ओर अग्रसर होते हुए प्रदेश में बेहतर शिक्षा देना हमारा कर्तव्य है।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर, पार्षद श्रीमती सिमरन कौर, पार्षद मुकुंद कंवर , पार्षद लक्ष्मण श्रीवास, शाला प्रतिनिधि यासीन खान, मिलाप बरेठ , श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीधर द्विवेदी, श्रीमती अचर्ना रूनीझा, श्रीमती मंदाकिनी त्रिपाठी, प्राचार्य डॉ. अलका फिलिप्स सहित अभिभावक गण, छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

मंत्री ने मितानिनों को दिया समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा

कार्यक्रम

मितानिनों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन में शामिल हुए मंत्री राजेश अग्रवाल

नई दृष्टिबिंदु / सरगुजा

जिले में उदयपुर ब्लॉक के रामगढ़ में मितानिनों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने मितानिनों को सम्मानित करते हुए कहा कि मितानिन बहनें ग्रामीण एवं शहरी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे सशक्त और भरोसेमंद कड़ी हैं। शासन की स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा रही मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य की धुरी हैं। सरकार आपके हर प्रयास के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

सम्मेलन में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। उदयपुर विकासखंड की 59 ग्राम पंचायतों से 389 मितानिन, 20 मितानिन ट्रेनर, दो ब्लॉक को-आडिर्नेटर और पांच विकासखंड समन्वयक शामिल हुए। कार्यक्रम का लक्ष्य पंचायत स्तरीय स्वास्थ्य समस्याओं को उजागर कर संबंधित विभागों तक पहुंचाना था। मितानिनों ने अधिकारियों को क्षेत्रीय चुनौतियों से अवगत कराया, पंचायत प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ा तथा ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता व पोषण समिति को सक्रिय बनाने पर बल दिया। जिला समन्वयक अचर्ना कुशवाहा ने बताया कि मितानिनें मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण व स्वच्छता के माध्यम से समुदाय सशक्त कर रही हैं। विकासखंड समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव व मानकुंवर प्रजापति ने उनकी भूमिका को स्वास्थ्य तंत्र की मजबूत कड़ी बताया।

इस वर्ष 85 स्वास्थ्य विभाग, 26 महिला-बाल विकास, 12 पीएचई, 12 खाद्य, 25 जनपद स्तर, 8 पुलिस, 5 विद्युत, 5 शिक्षा, 5 सेंट्रल बैंक व 7 विधायक स्तर के आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री राजेश अग्रवाल ने सभी पर तत्काल कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

सामाजिक कार्यक्रम

दिल्लीवार कुर्मी क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़ का 56वां प्रांतीय अधिवेशन देवरी (ख) में प्रारंभ

खेल महोत्सव व आदर्श विवाह के साथ तीन दिवसीय अधिवेशन का आगाज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-अण्डा

ग्राम देवरी (ख) में दिल्लीवार कुर्मी क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़ का 56वां प्रांतीय अधिवेशन शुक्रवार को भव्य रूप से प्रारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस अधिवेशन का शुभारंभ खेल महोत्सव और सामूहिक आदर्श विवाह के साथ किया गया। प्रथम दिन बड़ी संख्या में समाज के लोग कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहे।

अधिवेशन की शुरुआत समाज के महापुरुषों एवं छत्रपति शिवाजी महाराज की पूजा-अचर्ना तथा कुर्मी गान के साथ हुई। इसके पश्चात युवा समिति द्वारा खेल महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्लीवार प्रो कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में समाज के सभी 8 सर्किलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। रोमांचक मुकाबलों के बाद फूंडा सर्किल ने प्रथम एवं सुन्दरा सर्किल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।शुभारंभ अवसर पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र बेलचंदन, उपाध्यक्ष बंटी हरमुख, कोषाध्यक्ष दिलीप देशमुख, केंद्रीय कायर्कारिणी सदस्य ओंकारेश्वर हरमुख, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र हरमुख सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवा समिति अध्यक्ष हेमंत देशमुख, सचिव महेंद्र दिल्लीवार, विभिन्न सर्किलों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

16 लोगों ने किया रक्तदान

अधिवेशन के दौरान युवा समिति द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें 16 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में केशव बंटी हरमुख, भानू पिपरिया, शेषनारायण, उत्तम यादव, संदीप देशमुख, राजेंद्र कुमार, राजेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, विवेक गौतम, आशीष दिल्लीवार, मुरली मनोहर, कुणाल देशमुख, द्वारिका वर्मा, धनेश्वर देशमुख सहित अन्य शामिल रहे। रक्त संग्रह के लिए आशीर्वाद ब्लड बैंक भिलाई का स्टाफ मौजूद रहा।

चार जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

अधिवेशन के प्रथम दिन आयोजित आदर्श विवाह समारोह में तेलमाटी, चुलमाटी एवं मायन की पारंपरिक रस्में मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुईं। इस दौरान चार जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इनमें नंदनी (थनौद), दिलेश्वर (भटगांव), सुरुचि (तिरगा), ऋतुराज (डंडेसरा) हेमलता (सकरौद), टिकेश्वर (भेड़सर) पूजा (रिसाली), भूपेंद्र (भानपुरी) शामिल हैं। केंद्रीय महिला समिति की अध्यक्ष प्रीती देशमुख, सचिव पुष्पा पिपरिया, विभिन्न सर्किलों की महिला पदाधिकारी एवं सदस्य पूरे आयोजन में सक्रिय रूप से सहभागी रहीं। महिलाओं ने पारंपरिक नृत्य एवं रस्मों के माध्यम से कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

साधु-संतों ने राजिम कल्प कुंभ 2026 में अव्यवस्था पर जताई नाराजगी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजिम कल्प कुंभ 2026 की सूची से साधु-संतों के नाम हटाए जाने को लेकर संत समाज में भारी आक्रोश है। इसी मुद्दे पर रायपुर के संत, महंत, पुजारी और पुरोहितों ने कड़ा विरोध जताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस विषय को लेकर कचना रोड स्थित सुरेश्वर महादेव पीठ में आपात बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राजिम कल्प कुंभ 2026 के सचिव आचार्य डॉ। राजेश्वरा नंद ने पूरे घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त करते हुए अपने सचिव पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्व में जिन साधु-संतों के नाम सूची में शामिल थे, उन्हें बिना किसी कारण हटाया गया है, जिसका उन्हें गहरा खेद है।

आचार्य राजेश्वरानंद ने बताया कि संत समाज की मांग पर ही सरकार द्वारा उन्हें राजिम कल्प कुंभ 2026 का सचिव नियुक्त किया गया था, जिससे संत समाज में खुशी की लहर दौड़ी थी, लेकिन तैयारियों के दौरान उनकी लगातार उपेक्षा की गई। न तो उन्हें किसी बैठक में बुलाया गया और न ही कोई सूचना दी गई। वहीं संतों के नाम सूची से हटाए जाने से असंतोष और बढ़ गया है।

संपादकीय

गलती खुद करना और गलत दूसरों को ठहराना

राजनीति में कई बार ऐसा होता है कि एक राजनीतिक दल या उसका नेता गलती तो खुद करता है लेकिन दिखावा वह ऐसा करता है जैसे गलती उसकी जरा भी नहीं है, सारी गलती तो सामने वाले है। वह तो अपनी जगह १०० प्रतिशत सही है लेकिन सामने वाला पूरी तरह गलत है और उसके साथ गलत कर रहा है क्योंकि सरकार उसको ऐसा करने को कह रही है और वह सरकार के कहने पर ही ऐसा कर रहा है। राहुल गांधी व ममता बैनर्जी ऐसे ही नेता और उनका राजनीतिक दल यही करता है। दोनों नेता अपनी गलती को गलती नहीं मानते हैं ,वह ऐसा दिखावा करते हैं कि गलती उनसे नहीं हुई है, गलती तो सामने वाले से हुई है। हम तो सामने वाले की गलती देश को बता रहे हैं। हम गलती करने वाले नहीं है, हम तो गलती बताने वाले हैं।

राहुल गांधी तो हर लोकसभा सत्र में ऐसा करते हैं, इससे तो देश के लोग भी समझ गए हैं कि राहुल गांधी हमेशा लोकसभी में गलती करते है और बाहर आकर विक्टिम कार्ड खेलते हैं कि लोकसभा में उनको बोलने नहीं दिया जाता है , उनका माइक बंद कर दिया जाता है। वह किसी विषय पर बोलना चाहते हैं तो उनको उस विषय पर बोलने नहीं दिया जाता है ।हर बार यह बताते हैं कि उनको बोलने नहीं दिया गया लेकिन यह नहीं बताते हैं कि उनको संसद के भीतर क्यों नहीं बोलने दिया गया,वह यह नहीं बताते हैं कि नियमों का पालन नहीं करते हैं, इसलिए उनको बोलने की इजाजत नहीं दी जाती है ।इस बार उनको नियम के अनुसार नहीं बोलने पर बोलने की इजाजत नही दी गई तो उन्होंने बाहर तो कहा ही कि संसद के भीतर उनकी आवाज दबा दी गई ।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि वह सरकार के इशारे पर उनको सदन में बोलने से रोकते हैं ।

उन्होंने पत्र में लिखा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व हर सदस्य को बोलने का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभिन्न अंग है ।लेकिन इस बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकारों को दरकिनार करने के कारण एक अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है ।राहुल गांधी इस तरह का आरोप लोकसभाअध्यक्ष पर इसलिए लगा रहे हैं ताकि चर्चा उनकी गलती की न हो, चर्चा का विषय उनकी संसद के भीतर की गई गलती न रहे बल्कि देश में चर्चा का विषय का यह रहे कि लोकसभा अध्यक्ष राहुल गांधी को संसद में बोलने नहीं दे रहे इस बात की रहे। राहुल गांधी हमेशा नियम के खिलाफ कुछ भी करते हैं और चाहते हैं कि संसद के भीतर उनको कोई रोके नहीं । लोकसभा अध्यक्ष का काम संसद के नियमों के अनुसार चलाना है और वह स्वाभाविक रूप से यही करते हैं तो राहुल गांधी व विपक्ष के नेताओं का यही अच्छा नहीं लगता है और वह उनको बुरा बनाने का प्रयास करते हैं ।

राहुल गांधी के अलावा ममता बैनर्जी भी ऐसी नेता है, वह हर चुनाव के पहले क्या कुछ गलत करती है, उनकी पार्टी के लोग क्या कुछ गलत करते हैं यह पूरा देश जानता है । पं. बंगाल में चुनाव के पहले एसआईआर होना है, ममता नहीं चाहती थी कि पं. बंगाल में चुनाव के पहले एसआईआर न हो लेकिन वह इसे कई तरह के हथकंडे अपना कर नहीं रोक पाई हैं ।इसी वजह से वह चुनाव आयोग पर आए दिन तरह तरह के आरोप लगाती रहती है और यह प्रचार करती रहती है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है,चुनाव आयोग मोदी सरकार के इशारे पर काम कर रहा है । हाल ही में वह दिल्ली चुनाव मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने आई थी और बैठक बीच में ही छोड़कर चली गई और कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने उनका अपमान किया। इसके बाद उन्होंने मीडिया से यह कहा कि बंगाल में मतदाता सूची से टीएमसी समर्थक लोगों का नाम हटाया जा रहा है ।

राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष पर दबाव डालने के लिए जहां उनको पत्र लिखा है, वहीं ममता बैनर्जी ने कहा है कि कांग्रेस यदि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग लाती है तो वह कांग्रेस का समर्थन करेंगी । यानी पहले तो मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ राहुल गांधी ही जमकर बोलते रहे हैं और राहुल गांधी के बाद ममता बेनर्जी बोलने लगी है और वह चाहती हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए विपक्ष को महाभियोग लाना चाहिए और विपक्ष यदि ऐसा करता है तो वह विपक्ष का समर्थन करेंगी । ममता खुद तो अपने लिए विपक्ष का समर्थन चाहती हैं लेकिन वह पं.बंगाल में विपक्ष के राजनीतिक दलों के साथ चुनाव नहीं लड़ना चाहती हैं । ऐसे में विपक्ष महाभियोग के मामले में कैसे ममता के साथ खड़ा हो सकता है । राहुल गांधी व ममता बैनर्जी दोनों अपने मन की करना चाहते है और यह भी चाहते हैं कि कोई उनको गलत न करे । लोकतंत्र में तो ऐसा हो नहीं सकता ।

सत्ता की निष्कंटक राह बरास्ते सुनेत्रा की ताजपोशी

उमेश चतुर्वेदी

राजनीति जज्बात से नहीं, हालात के हिसाब से चलती है। महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसका उदाहरण है। सुनेत्रा के आंसू अभी सूखे भी नहीं, पति अजित पवार के निधन के शोक से उबरना तो दूर की बात है। फिर भी उन्होंने सियासी तकाजे को ही प्राथमिकता दी और महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया। पारिवारिक वजहात के बीच सिंहासन पर बैठने को लेकर उनकी आलोचना स्वाभाविक है, क्योंकि समाज के सोचने का अपना ढंग है। सियासी हस्तियों से भी उसे सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों को अपनाने की उम्मीद रहती है। सुनेत्रा सामाजिक सवालों से बच नहीं सकतीं। लेकिन सवाल यह है कि सुनेत्रा की ताजपोशी से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ने जा रहा है? प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर क्या वजह रही कि सुनेत्रा ने आनन-फानन में शपथ ले ली। महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी।

महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। शरद पवार तो खुलकर स्वीकार भी कर चुके हैं कि उनकी और से जयंत पाटिल, अजित पवार से बात कर रहे थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि 12 फरवरी को दोनो पार्टियों के विलय पर अजित और शरद में सहमति हो चुकी थी। लेकिन अजित के न रहने के बाद समीकरण बदल गए। अजित के साथ गए अहम नेताओं प्रफुल्ल पटेल, आर आर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गईं। उन्हें डर था कि अगर विलय हुआ तो शरद पवार की पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके चलते सुप्रिया सुले की पार्टी पर पकड़ बढ़ जाएगी। सुप्रिया के नियंत्रण में इन नेताओं का काम करना असहज होता। प्रफुल्ल कभी शरद पवार के बेहद नजदीकी होते थे। अजित के साथ जाकर एक तरह से उन्होंने शरद पवार के साथ दगाबाजी ही की है। उन्हें ज्यादा आशंका थी कि विलय के बाद पार्टी पर पकड़ होने के चलते शरद के बहाने सुप्रिया का चाबुक उन पर चल सकता है। लेकिन अगर पार्टी अलग रहती है और सुनेत्रा के हाथ कमान रहती है तो इन नेताओं की सियासी सेहत बनी और बची रह सकती है। यही वजह है कि अजित के निधन के चलते हुए आधिकारिक शोक की मियाद खत्म होते ही प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे जैसे नेता सक्रिय हो गए। विधायक दल की बैठक बुलाई गई और सुनेत्रा को तत्काल उसका नेता चुनकर उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए तैयार कर लिया गया। शरद पवार भले ही इस सियासी पटकथा का लेखक सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को मानते हों, लेकिन महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कहा जा रहा है कि असल में यह पटकथा राज्य की बीजेपी ने लिखा है। पटेल और तटकरे जैसे नेताओं ने सिर्फ इसे अमल में लाने में भूमिका निभाई है।

सवाल उठ सकता है कि अगर सुनेत्रा शपथ नहीं लेतीं तो क्या बीजेपी की सियासी सेहत गड़बड़ा सकती थी, क्योंकि राज्य में बीजेपी के 132 और एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना के 57 विधायक हैं। राज्य में बहुमत के लिए महज 145 सीटें चाहिए होती हैं। इस लिहाज से देखें तो बीजेपी की अगुआई वाली सरकार को कोई खतरा नहीं होने जा रहा था। अजित समेत एनसीपी के 41 विधायक पिछले चुनाव में चुने गए हैं। अजित के न रहने पर यह संख्या 40 रह गई है। लेकिन बीजेपी की चिंता दूसरी है। शरद पवार की राजनीतिक स्थिति भले ही ठीक ना हो, लेकिन जैसे ही दोनों एनसीपी का विलय होता, शरद ताकतवर होकर उभरते। महाराष्ट्र का यह चाणक्य एक बार फिर स्थापित होता और बीजेपी के लिए नई सिरदर्दी खड़ी हो जाती। शरद पवार इतने प्रभावी और सियासी रूप से तिकड़मी हैं कि बीजेपी के लिए संकट बनकर उभर जाते। उनकी प्रभावी सक्रियता के चलते शिवसेना के गुटों को भी एक करने की वे कोशिश कर सकते थे। भले ही यह सोच कल्पना लग रही हो, लेकिन एकबारगी स्वीकार कर लें कि ऐसा होता तो महाराष्ट्र की राजनीति कैसी होती।

महाराष्ट्र में जिला परिषदों के चुनाव हो रहे हैं। पहले विधानसभा और बाद में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की अगुआई वाली महाविकास अघाड़ी को सफलता नहीं मिली। अजित पवार के न रहने के चलते कांग्रेस को सक्रिय होना चाहिए था। अजित की अगुआई वाले जिला परिषद उम्मीदवार उनके न रहने की वजह से थोड़े आशंकित और निराश भी हैं। इस निराशा को कांग्रेस भुना सकती थी। वह एनसीपी के उम्मीदवारों पर डोरे डाल सकती थी और अपने उम्मीदवारों को नए जोश से भर सकती थी। अजित बेशक सत्ता में थे, लेकिन उन्हें विपक्षी खेमे के लिए अब भी हसरतभरी निगाह से ताकतवर नेता के रूप में देखा जा रहा था। अजित के न रहने के बाद विपक्षी नेतृत्व के लिए आसमान खुल गया है। शरद पवार की उम्र हो गई है। शरद के बाहर जाने के बाद से ही कांग्रेस राज्य में कमजोर हुई है। सुप्रिया सुले का नेतृत्व ऐसा नहीं है कि वह राज्यव्यापी प्रभाव हासिल कर पाए। यह माहौल कांग्रेस के लिए ज्यादा उपयुक्त हो सकता है। ऐसे माहौल में कांग्रेस को अपने ताकतवर नेतृत्व को स्थानीय स्तर पर आगे लाना चाहिए था। लेकिन वह ऐसा करती नहीं दिख रही। 2014 के बाद से उसने जिस नैरेटिव युद्ध की शैली को अपनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर उसी युद्ध प्रक्रिया को जारी रखे हुए है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के पास फुर्सत नहीं है कि वह महाराष्ट्र या किसी अन्य राज्य की राजनीति के बारे में स्थानीय जरूरतों के लिहाज से सोचे और स्थानीय समुदायों के लिए उन्हीं के बीच से प्रभावी नेतृत्व उभारे।

रणनीतिक लिहाज से देखें तो महाराष्ट्र में बीजेपी सभी दलों पर एक बार फिर बीस पड़ती नजर आ रही है। उसने सुनेत्रा को अपने खेमे में लाकर एक तीर से दो निशाने साध लिए हैं। उसने एनसीपी की ओर निश्चिंतता हासिल कर ली है, शरद पवार को एक बार फिर किनारे रखने में सफल हुई है और अपने लिए खतरा बनने की शरद की संभावनाओं को एक तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है।

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई देश की आर्थिक राजधानी भी है। इसी वजह से केंद्रीय सत्ता के बाद सबसे ज्यादा प्रभावशाली महाराष्ट्र की सत्ता मानी जाती है। माना जाता है कि कारपोरेट और औद्योगिक जगत पर सबसे ज्यादा पकड़ महाराष्ट्र के सिंहासन की होती है। मौजूदा राजनीति में आर्थिकी सबसे ज्यादा प्रभावी है। महाराष्ट्र की सत्ता पर पकड़ देश की आर्थिक ताकतों की नब्ज पर पकड़ बनाती है। यह बताने की जरूरत नहीं है कि बीजेपी अपनी इस पकड़ को कमजोर होते नहीं देखना चाहती। इसलिए उसने सुनेत्रा को साधने में देर नहीं लगाई। इसके लिए एनसीपी के ही नेताओं को अपना औजार बनाया और सफल रही। वैसे भी शरद पवार उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जहां से उनके लिए गुंजाइश कम है। उनके पास सक्रिय रहने के लिए ज्यादा वक्त नहीं है। बेशक वे अब भी कमजोर हों, लेकिन बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उद्धव ठाकरे नहीं, शरद पवार ही हैं। सुनेत्रा को अपने खेमें में लाकर बीजेपी ने शरद की इस बची-खुची चुनौती भी खत्म करने में कामयाब रही है। सुनेत्रा के साथ से एकनाथ शिंदे के लिए महायुति से बाहर निकलने की सोचना या बीजेपी पर दबाव बढ़ाने का मौका खत्म हो जाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति शिंदे के साथ के चलते सुनेत्रा की भी रहेगी। बीजेपी सुनेत्रा के जरिए शिंदे को संतुलित करेगी तो शिंदे के जरिए सुनेत्रा को काबू में रखेगी।

एक दशक में बनाई पूंजी पीके ने बिहार में गंवा दी

अजीत द्विवेदी

सबसे पहले तो यह समझना होगा कि प्रशांत किशोर ने बिहार में क्या गंवाया है? वे मानें या नहीं मानें लेकिन एक कुशल चुनाव प्रबंधक के रूप में एक दशक में बनाई गई अपनी पूंजी उन्होंने बिहार में गंवा दी है। उनके दो सौ या चार सौ करोड़ रुपए खर्च हुए वह उनका बड़ा नुकसान नहीं है। उनकी पार्टी अपना पहला चुनाव बुरी तरह से हारी यह भी कोई बड़ी बात नहीं है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जब पार्टियां पहले चुनाव में बहुत खराब करने के बाद धीरे धीरे मजबूत होती गईं और बहुत बड़ी बन गईं।

बिहार में नीतीश कुमार की बनाई समता पार्टी, जिसे अब जनता दल यू के नाम से जाना जाता है या उत्तर प्रदेश में कांशीराम की बनाई बहुजन समाज पार्टी इसकी मिसाल हैं। दोनों पार्टियों की शुरुआत बहुत खराब हुई थी। लेकिन दोनों के नेताओं को पता था कि उनका आइडिया और आइडियोलॉजी दोनों सही हैं। इसलिए दोनों मैदान में डटे रहे और राजनीतिक व चुनावी दोनों सफलता हासिल की। इसलिए प्रशांत किशोर का पहला चुनाव हार जाना उनके राजनीतिक करियर का पूर्णविराम नहीं है।

उनके लिए असली चुनौती यह है कि राजनीतिक प्रबंधक के तौर पर जो पूंजी उन्होंने बिहार में गंवाई है उसे कैसे हासिल करेंगे? अगर वे फिर से अपनी उस पूंजी को, उस साख को वापस हासिल कर लेते हैं और बिहार में डटे रहते हैं तो निश्चित रूप से कामयाब होंगे। इसके लिए वे क्या करेंगे, यह उनको शायद ही कोई समझा सकता है। वे खुद समझदार हैं और राजनीति व चुनाव की बारीकियों को बखूबी जानते हैं। वे देश के राजनीतिक इतिहास से भी परिचित हैं। इसलिए उनको पता है कि बिहार में 1995 के विधानसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद नीतीश कुमार ने कैसी राजनीति की थी।

उनको यह भी पता है कि 1984 में बसपा बनाने वाले कांशीराम ने 1989 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद क्या किया था। 1995 में नीतीश कुमार की पार्टी को 324 में से सिर्फ पांच सीटें मिली थीं। इसी तरह 1989 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा को 425 में सिर्फ 13 सीट मिली थी, जो अगले चुनाव यानी 1991 में घट कर 12 हो गई लेकिन उसके दो साल बाद 1993 के मध्यावधि चुनाव में सपा से तालमेल करके बसपा ने 67 सीटें जीतीं और उसी विधानसभा में 1995 में मायावती पहली बार 137 दिन के लिए मुख्यमंत्री बनीं।

सो, प्रशांत किशोर के लिए राजनीति का रास्ता साफ है। उनके सामने नीतीश कुमार और कांशीराम दोनों का मॉडल है। नीतीश कुमार की समता पार्टी ने 1995 की हार के बाद भाजपा के साथ तालमेल किया और लालू प्रसाद को सत्ता से हटाने के लिए राजनीति की, जिसमें निर्णायक कामयाबी 2005 के अक्टूबर में मिली। यानी पार्टी बनाने के 10 साल बाद। इसी तरह कांशीराम ने बहुजन की सत्ता स्थापित करने के लिए 1984 में बसपा बना कर राजनीति शुरू की तो 11 साल बाद 1995 के जून में मायावती को मुख्यमंत्री बनाने में कामयाब हुए। इसके लिए उनको समाजवादी पार्टी से तालमेल करना पड़ा।

उनका सूत्र वाक्य था पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा चुनाव हराने के लिए और तीसरा जीतने के लिए। तीसरे चुनाव में उनको जीत मिली थी हालांकि वह निर्णायक नहीं थी। निर्णायक जीत मिली 2007 में जब बसपा ने अकेले दम पर उत्तर प्रदेश विधानसभा में बहुमत हासिल किया। सो, जाहिर है कि राजनीति में निरंतरता और समान या असमान विचार वाले दलों के साथ गठबंधन सबसे महत्वपूर्ण है।

तभी प्रशांत किशोर के कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलने की खबर को उनकी राजनीति के अगले कदम के तौर पर देखा जा सकता है। ध्यान रहे प्रशांत किशोर ने एक समय कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर देश की सबसे पुरानी पार्टी को उसका गौरव लौटाने की योजना पर काम करना चाहा था। उन्होंने लंबा चौड़ा प्रजेंटेशन कांग्रेस नेतृत्व के सामने रखा था। आधे अधूरे तरीके से कुछ प्रस्तावों को कांग्रेस ने आजमाया भी। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के असुरक्षा भाव और प्रशांत किशोर की अति महत्वाकांक्षा के कारण दोनों की बात नहीं बनी। अब फिर दोनों नजदीक आ रहे हैं तो नए किस्म के गठबंधन की आहट सुनाई दे रही है। ध्यान रहे बिहार में हमेशा एक तीसरी ताकत की गुंजाइश है।

नीतीश कुमार के उदय से पहले बिहार में कांग्रेस के मुकाबले समाजवादी पार्टियों के साथ साथ भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियां मजबूती से चुनाव लड़ती थीं। धीरे धीरे बिहार की राजनीति दो ध्रुवीय हो गई। प्रशांत किशोर और कांग्रेस अगर तीसरी ताकत बनने की राजनीति करते हैं तो बिहार का राजनीतिक परिदृश्य दिलचस्प होगा। ध्यान रहे अगले कुछ महीनों या बरसों में बिहार की राजनीति में गुणात्मक परिवर्तन होगा। नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के राजनीतिक परिदृश्य से विदा होने के बाद बिहार की राजनीति वैसी ही नहीं रह जाएगी, जैसी पिछले 35 साल से है। उस समय कांग्रेस और प्रशांत किशोर दोनों के लिए बड़ा अवसर बनेगा।

लेकिन उससे पहले प्रशांत किशोर को चुनाव प्रबंधक और राजनीतिक गुरू के तौर पर अपनी खोई हुई साख को वापस हासिल करना होगा। इस साल होने वाला पांच राज्यों का चुनाव उनके लिए परफेक्ट मौका है। उनकी पुरानी कंपनी आईपैक का करार अब भी ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ है। हालांकि आईपैक के साथ अब उनका जुड़ाव नहीं है। लेकिन उन्होंने तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय की पार्टी टीवीके से करार किया है और उनको चुनाव लड़वा रहे हैं। गौरतलब है कि 2021 में ममता बनर्जी की जीत ने प्रशांत किशोर को सबसे बड़ा सुपरस्टार बनाया था। उन्होंने दावा किया था कि भाजपा एक सौ सीट तक नहीं पहुंचेगी और भाजपा सचमुच 77 सीट पर रह गई। अब उनके लिए यह मौका तमिलनाडु में बन सकता है। अगर तमिलनाडु में त्रिशंकु विधानसभा बनती है और विजय की ऐसी हैसियत होती है कि उनके बगैर सरकार न बने तो वह भी पीके के लिए बूस्टर डोज साबित हो सकता है।

टीवीके और कांग्रेस के बीच गठबंधन की चर्चा होना भी प्रशांत किशोर की राजनीति का असर हो सकता है। तमिलनाडु में प्रशांत किशोर अपने को किस तरह से लगाते हैं, क्या मैसेज बनवाते हैं और चुनाव के बाद किस हैसियत में उभरते हैं इससे बिहार की राजनीति में उनकी और उनकी पार्टी की किस्मत बहुत कुछ निर्भर करेगी। कांग्रेस भी अगर उनको आगे मौका देती है तो उसका भी फैसला तमिलनाडु के चुनाव नतीजों से होगा। जो हो उनके लिए अभी रास्ते बंद नहीं हुए हैं। इस बीच वे और उनका संगठन फिर से बिहार में सक्रिय हो गए हैं। सोशल मीडिया में पिछले दो महीने में उनकी उपस्थिति बहुत कम हो गई थी लेकिन एक बार फिर उनकी सोशल मीडिया टीम सक्रिय हो गई है।

नई दवाओं के विकास

अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि कंपनियां नियमों में ढीलेपन का बेजा फायदा ना उठाएं।

भारत सरकार ने नई दवाओं के विकास के लिए हरी झंडी देने के नियम आसान बनाए हैं। इसके लिए नई औषधि एवं क्लीनिकल ट्रायल के 2019 में बने नियमों में बदलाव किया गया है। मकसद नई दवाओं के परीक्षण में लगने वाले समय को घटाना और संबंधित अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। पहले ऐसे कार्यों के लिए केंद्रीय औषधि प्रमाणन नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से लाइसेंस हासिल करना अनिवार्य था। अब कंपनियां कुछ श्रेणियों की दवाओं को छोड़कर बाकी सभी मामलों में सीडीएससीओ को महज ऑनलाइन सूचना देकर परीक्षण शुरू कर सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इस बदलाव से कम-से-कम 90 दिन की बचत होगी।

दवा कंपनियां लंबे समय से ऐसे बदलाव की मांग कर रही थीं। विनियमन प्रक्रिया की धीमी गति को वे अपने लिए बड़ी रुकावट मानती रही हैं। अतः अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि कंपनियां नियमों में ढीलेपन का बेजा फायदा ना उठाएं। हालांकि भारतीय दवा उद्योग की दुनिया में ऊंची साख है, लेकिन हाल के वर्षों में कंपनियों द्वारा विनियमन प्रक्रिया में ढिलाई का लाभ उठाने के कई मामलों सामने आए हैं। कफ सिरप जैसी दवाओं से मिलावट की घटनाओं से भारतीय औषधि उद्योग पर कलंक लगा है। आम धारणा है कि भारत में निगरानी की व्यवस्था पश्चिमी देशों में मौजूद विनियम से कमजोर है।

इसी कारण भारत में बनी जेनरिक दवाओं को ब्रांडेड दवाओं से अक्सर कमतर समझा जाता है। इसके बावजूद भारत में बनी दवाओं और वैक्सीन का दुनिया में बहुत बड़ा बाजार है, तो उसकी वजह इनका किफायती होना है। दवा उत्पादन के लिहाज से भारत दुनिया में तीसरे और मूल्य के लिहाज से 14वें स्थान पर आता है। देश में तीन हजार से ज्यादा दवा कंपनियां और साढ़े दस हजार फैक्टरियां हैं। लगभग 60 जेनरिक ब्रांड यहां उत्पादित होते हैं। इस कारोबार के दशकों के दरम्यान इतना विशाल आकार ग्रहण किया है, तो उसमें विश्वसनीयता एक निर्णायक पहलू रही है। नए बदलावों के साथ इस पर कोई समझौता नहीं हो, इसे अवश्य सुनिश्चित करना होगा।

यूरोप का ट्रंप के आगे खड़ा होना महत्वपूर्ण

हरिशंकर व्यास

लग नहीं रहा था कि यूरोपीय संघ, ब्रिटेन के नेता डोनाल्ड ट्रंप से भिड़ेंगे। सोचें, ट्रंप ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और प्रधानमंत्री मोदी पर कितना खराब बोले हैं लेकिन ट्रंप को झूठा करार देने का भारत सरकार ने एक वाक्य नहीं बोला। ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर भी भारत का जवाबी टैरिफ नहीं है। फिर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को अगुआ करवाने की ट्रंप की कारवाई से अलग दुनिया सहमी हुई थी। तभी ग्रीनलैंड को लेकर यूरोपीय नेता की हल्की आनाकानी हुई तो ट्रंप ने अपने अंहकार में फटाक ब्रिटेन, यूरोपीय संघ पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी।

और तब यूरोपीय नेता जैसे खड़े हुए तो सभी चौंके। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी, जर्मनी के चासंलर शोल्ज से लेकर डेनमार्क, नार्वे, यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा सभी ने ट्रंप को दो टूक जवाब दिया। घोर ट्रंप समर्थक मेलोनी का वाक्य था कि 'ग्रीनलैंड कोई सौदे की वस्तु नहीं है। संप्रभुता पर बातचीत नहीं हो सकती'। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस से, फिर संसद में साफ कहा कि हम ग्रीनलैंड की संप्रभुता के समर्थक हैं और अमेरिका का ऐसे टैक्स लगाना पूरी तरह गलत है। फ्रांस के मैक्रों, यूरोपीय परिषद् के प्रमुख एंटोनियो कोस्टा और जर्मनी के शोल्ज (सर्वाधिक बेबाक) के वाक्य ज्यादा मुखर थे। जैसे हम किसी भी तरह की धमकी के आगे नहीं झुकेंगे— न यूक्रेन पर, न ग्रीनलैंड पर। नतीजतन सोशल मीडिया पर अमेरिकी झंडा पकड़े ट्रंप के ग्रीनलैंड की और बढ़ने वाले पोस्ट के बाद दावोस में ट्रंप का रंग बदला हुआ था। तभी उन्होंने दावोस में कहा कि सैनिक बल से ग्रीनलैंड नहीं कब्जाएंगे। फिर उन्होंने यूरोपीय देशों पर नए टैरिफ का फैसला भी वापिस लिया।

मगर यूरोपीय देश इससे संतुष्ट नहीं हुए। यूरोपीय संघ की पूर्व निर्धारित आपातकालीन बैठक हुई। बैठक बाद कहा गया, "यूरोपीय संघ अपनी रक्षा करेगा— अपने सदस्य देशों की, अपने नागरिकों की और अपनी कंपनियों की"। "डेनमार्क और ग्रीनलैंड को यूरोपीय संघ का पूर्ण समर्थन प्राप्त है, और उनके भविष्य से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने का अधिकार केवल उन्हीं के पास है। ये यह अंतरराष्ट्रीय कानून, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय संप्रभुता के उन सिद्धांतों के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो यूरोप के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अनिवार्य हैं"।

ये वाक्य मामूली नहीं हैं। इसलिए क्योंकि ट्रंप अपनी सनक में दूसरे महायुद्ध के बाद बनी विश्व व्यवस्था को बदल, जिसकी लाठी उसकी भैंस की व्यवस्था बनवा रहे हैं। ऐसा होना खतरनाक है। आखिर ग्रीनलैंड को ट्रंप ने इस तरह कब्जाया तो चीन के शी जिनपिंग को ताइवान या अरूणाचल प्रदेश कब्जाने में भला कौन रोक सकेगा या पुतिन क्यों नहीं यूक्रेन के बाद बाल्टिक देशों पर कब्जे के लिए प्रेरित होंगे

तभी यूरोप का ट्रंप के आगे खड़ा होना शेष विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। यों ट्रंप प्रशासन रूकेगा नहीं। वह ध्यान बंटाने के लिए क्यूबा, ईरान की ओर बढ़ सकता है। बावजूद इसके यूरोपीय देशों ने रास्ता दिखाया है। जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन, यूरोप में समझ बन गई है कि उन्हें वह महाशक्ति बनना है जो बिना अमेरिकी साथ के भी रूस, चीन के आगे खड़े हो सके। ट्रंप की रीति-नीति ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया सभी को जगाया है।

गांधीडीह, लोरमी के आसपास की छात्राओं को मिला सुसज्जित छात्रावास

एक ही परिसर में सर्वसुविधायुक्त 04 कन्या छात्रावास से बालिका शिक्षा की राह हुई आसान

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

लोरमी के गांधीडीह क्षेत्र में कन्या शिक्षा को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल के अंतर्गत 04 कन्या छात्रावासों का एक ही परिसर में निर्माण पूर्ण करा लिया गया है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के कुशल मार्गदर्शन में इन छात्रावासों का विधिवत शुभारंभ 01 जनवरी 2026 से किया जा चुका है, जिसके पश्चात छात्रावास में कक्षा पहली से लेकर कालेज तक की छात्राएं आवासरत हैं। यह पहल न केवल छात्राओं की आवासीय समस्या का समाधान है, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में एक ठोस पहल भी है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त शिवकुमार बांधे ने बताया कि पूर्व में छात्राओं को किराए के भवनों में रहना पड़ता था, जहां मूलभूत सुविधाओं की कमी व जगह का अभाव होने के कारण स्वीकृत सीट के अनुरूप छात्राओं को प्रवेश नहीं मिल पाता था। अब स्वयं के भवन में संचालन होने से पर्याप्त स्थान, स्वच्छता, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय, अध्ययन कक्ष एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं संतोषजनक रूप से उपलब्ध हो पाएगी। इसका सीधा प्रभाव छात्राओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक विकास में एक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

शासन की पहल पर नव-निर्मित कन्या छात्रावासों में छात्राओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्तापूर्ण निर्माण और सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। इन छात्रावासों में सुरक्षित एवं स्वच्छ आवास, पर्याप्त प्रकाश और वेंटिलेशन, शुद्ध पेयजल एवं स्वच्छ शौचालय, अध्ययन हेतु शांत एवं अनुकूल वातावरण के साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से बेहतर प्रबंध जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे छात्राएं अब निश्चिंत होकर अपनी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर सकें। यह परियोजना केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कन्या शिक्षा को प्रोत्साहित करने, विद्यालय छोड़ने की दर को कम करने तथा ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। सुरक्षित छात्रावास की उपलब्धता से अभिभावकों का भरोसा भी बढ़ा है, जिससे अधिक संख्या में बालिकाएं शिक्षा से जुड़ सकेंगी।

जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा को दिया अंजाम, वही प्रशिक्षण लेकर सीख रहे हुनर

नई दृष्टिबिंदु / उत्तर बस्तर कांकेर

अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में हो तो जीवन में हर काम आसान हो जाता है। इस कथन को आत्मसमर्पित माओवादियों ने चरितार्थ किया है। जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की राह अख्तियार किया था, आज उन्हीं हाथों को राज्य की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कुशल और दक्ष बनाने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। कभी माओवाद गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियों को अब ड्राइविंग, सिलाई, काष्ठशिल्प कला, सहायक इलेक्ट्रिशियन जैसे विभिन्न ट्रेड में सतत प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे वे समाज की मुख्य धारा में लौटने के बाद आजीविकामूलक गतिविधियों में कुशल होकर बेहतर ढंग से सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह कर सके।

चौगेल कैंप परिसर बना कौशलगढ़

वर्षो से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर शनैः-शनैः आगे बढ़ रहा है और माओवाद का दायरा धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। छत्तीसगढ़ सहित देश को माओवाद से मुक्ति दिलाने केंद्र सरकार के संकल्प को पूरा करने प्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। वहीं हथियार उठाने वालों को भविष्य गढ़ने का सुनहरा अवसर भी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। आत्मसमर्पित/पीड़ित नक्सल पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत उन्हें विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भानुप्रतापपुर विकासखंड से लगे ग्राम चौगेल (मुल्ला) का बीएसएफ कैम्प परिसर 'कौशलगढ़' बन गया है, जहां समाज की मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग-अलग पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही उन्हें शिक्षित भी किया जा रहा है। आवश्यकतानुसार कक्षा पहली से आठवीं तक के पाठ्यक्रमों का नियमित अध्ययन कराया जा रहा है, जिसमें रूचि लेते हुए सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपने भविष्य को पूरी शिद्दत से गढ़ने में संलग्न हैं। 20-20 का बैच बनाकर उन्हें हुनरमंद बनाने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

ड्राइविंग सीखने का शौक अब पूरा हो रहा- मनहेर तारम

चारपहिया वाहन चालन का प्रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित माओवादी 40 वर्षीय मनहेर तारम ने बताया कि पिछले दो सप्ताह से उन्हें ड्रायविंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसे वे पूरी रूचि के साथ सीख रहे हैं। ट्रेनर द्वारा स्टेयरिंग थामने से लेकर क्लच, ब्रेक व एक्सिलरेटर का प्रयोग करना सिखाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ड्रायविंग सीखने की चाहत अब पूरी हो रही है। इसके अलावा सिलाई और काष्ठशिल्प का प्रशिक्षण कैम्प में दिया जा रहा है। इसी तरह नरसिंह नेताम ने बताया कि वह भी फोरव्हीलर की ड्रायविंग में अपना हाथ आजमा रहे हैं तथा यहां आकर ऐसी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं, जिससे आगे का जीवन बेहतर हो सके। 19 साल के सुकदू पद्दा ने बताया कि यहां पिछले तीन महीने से ट्रेनिंग ले रहे हैं और खुद को आजीविकामूलक कार्यों से जोड़ रहे हैं जबकि वह निरक्षर है। वहीं 19 वर्ष की कु. काजल वेड़दा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां आकर अलग-अलग पाठ्यक्रमों में नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें बचपन से कपड़ों की सिलाई करने की इच्छा थी, यहां आकर वह भी पूरी हो रही है।

वहीं शिक्षकां के द्वारा प्राथमिक शिक्षा का भी वह लाभ ले रही हैं। इसी तरह कैंप में रह रहे जगदेव कोमरा, राजू नुरूटी, बीरसिंह मण्डावी, मैनू नेगी, सनऊ गावड़े, मानकी नेताम, सामको नुरूटी, उंगी कोर्राम, रमोती कवाची, मानकेर हुपेंडी, डाली सलाम, गेंजो हुपेंडी सहित सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपनी रूचि अनुसार ड्राईविंग, काष्ठशिल्प कला, सिलाई मशीन तथा सहायक इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में बेहतर ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उनका नियमितरूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यकतानुसार दवाईयां दी जाती हैं। कैम्प में मनोरंजनात्मक गतिविधियां कैरम, वाद्य यंत्र, विभिन्न प्रकार के खेल भी आयोजित किया जाता है।

पुनर्वास कैंप के नोडल अधिकारी विनोद अहिरवार ने बताया कि कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार आत्मसमर्पित 40 माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों में 20-20 के बैच में चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और सभी को बेहतर ढंग से प्रशिक्षित किया जा रहा है। भविष्य में मशरूम उत्पादन, बागवानी सहित विभिन्न सृजनात्मक एवं स्वरोजगारमूलक पाठ्यक्रमों में जल्द ही प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस तरह आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे माओवादियों को राज्य शासन द्वारा अवसर देकर उन्हें आत्मनिर्भर तथा स्वरोजगारमूलक सकारात्मक कार्यो से जोड़ा जा रहा है, जिससे उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करने का मौका मिल सके। शासन की मंशानुसार ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण देकर 'हिंसा से हुनर' की ओर लौटे माओवादियों को नया जीवनदान मिल रहा है।

ग्राउंड से ग्रोथ तक : छत्तीसगढ़ में साय सरकार का सुशासन मॉडल

नसीम अहमद खान, उप संचालक जनसंपर्क

छत्तीसगढ़ आज ग्रामीण विकास के उस मुकाम पर खड़ा है, जहाँ नीतियाँ केवल कागजों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि जमीन पर ठोस बदलाव का माध्यम बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सुशासन को केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि कार्यशैली के रूप में अपनाया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), महात्मा गांधी नरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण विकास का एक उभरता मॉडल बना दिया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ में 8 लाख से अधिक पक्के आवासों का निर्माण पूर्ण होना, देश में सर्वाधिक है। यह उपलब्धि केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और गरिमापूर्ण जीवन की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय का मानना है कि आवास केवल छत नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्थिरता और आत्मसम्मान का आधार है। यही कारण है कि राज्य सरकार ने आवास योजना को आजीविका से जोड़ा है। आवास हितग्राहियों को सेंटरिंग प्लेट एवं अन्य निर्माण की आपूर्ति कर 8 हजार से अधिक महिलाएँ ह्यलखपति दीदीह्ल बन सकीं।

छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी चुनौती रहे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकार ने सुरक्षा के साथ-साथ विकास और विश्वास को समान महत्व दिया है। कौशल प्रशिक्षण और पुनर्वास योजनाओं के माध्यम से युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। आर-सेटी एवं प्रोजेक्ट उन्नति के जरिए आत्मसमर्पित नक्सलियों सहित 5 हजार से अधिक हितग्राहियों को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं, 3416 आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों को आवास की स्वीकृति दी गई है। पीएम-जनमन आवास योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए 33 हजार से अधिक आवासों की स्वीकृति इस दिशा में एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है।

साय सरकार ने योजनाओं की निगरानी में आम नागरिक को सहभागी बनाकर पारदर्शिता को नई परिभाषा दी है। टोल-फ्री हेल्पलाइन, पंचायत स्तर पर क्यूआर कोड और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कोई भी व्यक्ति विकास कार्यों की जानकारी सीधे प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को मनरेगा, उज्ज्वला, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन और पीएम सूर्यघर जैसी योजनाओं से अभिसरण के माध्यम से जोड़ा गया है, जिससे समग्र लाभ सुनिश्चित हो रहा है।

ह्यमोर गांव मोर पानीह्ल महाभियान छत्तीसगढ़ की जल संरक्षण नीति का प्रतीक बनकर उभरा है। नरेगा के तहत दो वर्षों में 20 करोड़ से अधिक मानव दिवसों का सृजन हुआ है। जल संरक्षण के लिए 35 हजार से अधिक कार्य और 10 हजार से अधिक आजीविका डबरियों की स्वीकृति ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से जीआईएस आधारित योजना निर्माण में छत्तीसगढ़ ने देश के अग्रणी राज्यों में स्थान बनाया है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 2.82 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से लगभग 30 लाख महिलाएँ जुड़ी हैं। ह्यलखपति दीदीह्ल अभियान के माध्यम से अब तक 4.94 लाख महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। महिलाओं की आवाज को मंच देने के लिए ह्यदीदी के गोठह्ल रेडियो कार्यक्रम और उनके उत्पादों के विपणन हेतु ह्यछत्तीसकलाह्ल ब्रांड राज्य सरकार के नवाचारों के प्रमाण हैं।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत 2902 किलोमीटर सड़कों की स्वीकृति और 1064 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूर्ण होना, दूरस्थ और जनजातीय अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत सड़कों के निर्माण में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी राज्य है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के विभिन्न चरणों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में दशकों से अधूरी पड़ी 43 सड़कों को पूरा कर सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि विकास अब किसी क्षेत्र या वर्ग तक सीमित नहीं रहेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कहना है कि शासन का वास्तविक उद्देश्य आम नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। आवास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, जल संरक्षण और अधोसंरचना के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ आज समावेशी और आत्मनिर्भर विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पारदर्शी, नवाचारी और जनोन्मुखी कार्यप्रणाली के कारण छत्तीसगढ़ अब केवल एक राज्य नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास का राष्ट्रीय मॉडल बन रहा है।

महतारी वंदन योजना : सुलेश्वरी को मिली आत्मनिर्भरता की राह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी सिद्ध हो रही है। इस योजना ने जांजगीर-चांपा जिला मुख्यालय निवासी सुलेश्वरी यादव के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की नई राह दिखाई है। सीमित आय और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच जीवनयापन कर रहीं सुलेश्वरी यादव के लिए तीन बच्चों की शिक्षा, घरेलू खर्च और भविष्य की जरूरतें बड़ी चुनौती थीं। घरेलू कार्यों के साथ-साथ सिलाई कार्य कर वे परिवार की आय में सहयोग करती थीं, किंतु संसाधनों की कमी के कारण आवश्यकताओं की पूर्ति में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह प्राप्त होने वाली 1000 रुपये की सहायता राशि उनके लिए आर्थिक संबल बनी।

उन्होंने इस राशि से नियमित बचत प्रारंभ की तथा बच्चों की पढ़ाई, स्कूल फीस, किताब-कॉपी एवं घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित की। हाल ही में योजना की 24वीं किश्त के रूप में प्राप्त राशि से उनके परिवार को अतिरिक्त राहत मिली है। सुलेश्वरी यादव का कहना है कि इस योजना से उन्हें आत्मविश्वास और आत्मसम्मान मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं को स्वावलंबी और सशक्त बनाने की एक प्रभावी पहल है।गौरतलब है कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से राज्य सरकार प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है, जिससे महिला सशक्तिकरण को नई गति मिल रही है।

महतारी वंदन योजना से सशक्त हो रहा रानी करुणा का परिवार

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना राज्य की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। इस योजना से बलौदा बाजार भाटापारा जिले के ग्राम देवरी निवासी रानी करुणा गायकवाड़ का घर-परिवार भी सुदृढ़ हो रहा है। रानी करुणा को योजना के अंतर्गत प्रति माह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है, जिससे उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुगमता से हो पा रही है। उनके पति शैलेश गायकवाड एक निजी प्लांट में कार्यरत हैं। सीमित आय के कारण परिवार का भरण-पोषण एवं दो छोटे बच्चों की देखभाल एक चुनौती थी। उनकी बड़ी पुत्री केजी-2 में अध्ययनरत है, जबकि छोटा पुत्र 18 माह का है।

हाल ही में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा महतारी वंदन योजना की 24वीं किश्त के रूप में महिलाओं के बैंक खातों में 1,000 रुपये की राशि अंतरित की गई। रानी करुणा गायकवाड को भी योजना का निरंतर लाभ मिल रहा है और अब तक उन्हें कुल 24,000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो चुकी है। वे इस राशि का उपयोग घरेलू जरूरतों, बच्चों की आवश्यकताओं तथा भविष्य की आकस्मिक जरूरतों के लिए बचत के रूप में कर रही हैं। रानी करुणा ने योजना के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिलने वाली यह सहायता मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने की इस पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। यह योजना महिलाओं के आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान को भी सुदृढ़ कर रही है।

नारी शक्ति की उड़ान, बिहान योजना से आत्मनिर्भर बनी सुखमंती बैगा

नई दृष्टिबिंदु / मनेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी

जिला के ग्राम पंचायत रामगढ़ की निवासी सुखमंती बैगा आज नारी सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार की सशक्त पहचान बन चुकी हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ह्लबिहानह्ल से जुड़ने के बाद उनके जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। पहले जहां परिवार की आय सीमित थी और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, वहीं आज वे अपने परिश्रम और योजना से मिले सहयोग के बल पर सम्मानजनक आजीविका अर्जित कर रही हैं।

ग्रामीण गरीब परिवारों, विशेषकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) चला रही है ' महिलाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने की क्षमता का विकास किया गया ' महिलाएं सशक्त बनी और आज नेतृत्व कर रही हैं' इन महिलाओं की सफलता के पीछे बिहान योजना का बड़ा योगदान हैं ' क्योंकि इसी योजना से जुड़ने के बाद महिलाओं में इतनी साहस आयी है

सुखमंती बैगा चंगमाता स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। दिसंबर 2020 में बैंक लिंकेज के माध्यम से उन्होंने 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने अपने गांव में एक छोटी किराना दुकान शुरू की। शुरुआती दिनों में सीमित संसाधन और अनुभव की कमी जैसी चुनौतियां सामने आईं, लेकिन बिहान योजना के प्रशिक्षण, समूह की सामूहिक शक्ति और अपने आत्मविश्वास से उन्होंने धीरे-धीरे व्यवसाय को मजबूत किया। आज उनकी किराना दुकान से उन्हें प्रतिमाह लगभग 4 से 7 हजार रुपये तक की नियमित आय हो रही है। इस आय से वे परिवार की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के साथ बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दे रही हैं और भविष्य के लिए बचत भी कर रही हैं। आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ-साथ उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है और वे सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। सुखमंती बैगा अब अपने गांव की अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनकी यह सफलता कहानी साबित करती है कि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर ग्रामीण महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं और नारी सशक्तिकरण की सशक्त मिसाल बन सकती हैं।

नागरिक सहकारी बैंक दुर्ग के डायरेक्टर के 9 पदों का मतदान के जरिए होगा फैसला

बैंक के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में रुंगटा और परिवर्तन पैनल आमने-सामने, 14 फरवरी को होगा मतदान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के कुल 12 में से 9 संचालक मंडल सदस्य पद (डायरेक्टर) का चुनाव मतदान के जरिए होगा। गुरुवार को नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन यह चुनावी स्थिति स्पष्ट हुई। अनारक्षित वर्ग (सामान्य वर्ग) के 6 पदों के लिए प्रत्याशी मंगल प्रकाश गुप्ता, पवन कुमार जैन, अंजय ताम्रकार, आमबर ताम्रकार, मनोज कुमार ताम्रकार, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, दिनेश कुमार मारोटी, अखिलेश मिश्रा,राजेश यादव, वेंकट सांई शास्त्री राव, कमल नारायण रुंगटा, संजय सिंह चुनाव मैदान पर है।

इसी प्रकार सामान्य वर्ग (महिला) के लिए आरक्षित दो पदों के लिए प्रत्याशी सुनीता अग्रवाल, रजनी जोशी, संध्या तिवारी, नीलू देवांगन के बीच मुकाबला होगा। इसके अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित एक पद पर पदम कुमार ताम्रकार और तेजबहादुर बंछोर के बीच आमने-सामने की टक्कर होगी। संचालक मंडल सदस्य (डायरेक्टर) के 9 पदों पर प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट होने के साथ ही प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह भी आबंटित कर दिए गए है। मतदान 14 फरवरी को श्री गुर्जर क्षत्रिय गुजराती समाज भवन मोतीपारा में होगा। मतदान के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे का समय निर्धारित किया गया है। मतदान उपरांत इसी दिन परिणाम भी घोषित किए जाएंगे।

नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के संचालक मंडल सदस्य (डायरेक्टर) पद के लिए हो रहे चुनाव में दो पैनल पहली बार आमने-सामने है। रुंगटा पैनल की कमान बैंक के पूर्व अध्यक्ष कमल नारायण रुंगटा संभाले हुए है, जबकि परिवर्तन पैनल का नेतृत्व बैंक के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश यादव के जिम्मे में है। यह चुनाव दोनों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है। लिहाजा वे जीत के लिए कोई भी कसर बाकी नहीं रखना चाहते है। जिससे दोनो पैनलों के प्रत्याशी चुनावी प्रचार-प्रसार में कूद पड़े है। जिसके चलते संचालक मंडल सदस्य (डायरेक्टर) पद के चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है।

बता दें कि नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के संचालक मंडल सदस्य (डायरेक्टर) पद के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव की गुरुवार को नामांकन वापसी का अंतिम दिन था। निर्धारित समय से पहले दो प्रत्याशी दीपक चावड़ा और रविशंकर भट्ट ने अपना नामांकन वापस ले लिया। चुनाव में प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट होने के बाद निर्वाचन अधिकारी देवाशीष दास द्वारा निविरीध निर्वाचित प्रत्याशियों के नामों की भी घोषणा कर दी गई है। जिसके अनुसार सनदी लेखाकार (चार्टर्ड एकाउटेंट) के लिए आरक्षित दो पद के लिए श्रीपाल कोठारी और अरविंद चंद सुराना को निविरीध निर्वाचित घोषित किया गया है।

वहीं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित एक पद पर श्रीमती वसुन्धरा चौरे निविरीध निर्वाचित हुई है। रिटर्निंग अधिकारी देवाशीष दास ने बताया कि बैंक के निर्वाचन के अंतिम चरण में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसायटियों के प्रतिनिधियों व अन्य पदाधिकारियों के निर्वाचन के लिए 16 फरवरी को सूचना जारी की जाएगी। इन पदों पर निर्वाचन की प्रक्रिया 20 फरवरी को शाम 4 बजे से बैंक मुख्यालय अस्पताल वार्ड पचरीपारा में पूरी की जाएगी।

खास खबर

केंद्रीय बजट 2026-27 संवाद कार्यक्रम को लेकर दुर्ग में रूपरेखा बैठक संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भाजपा प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर संवाद कार्यक्रम का आयोजन संभागीय स्तर पर दुर्ग जिले में 13 फरवरी 2026 को सुनिश्चित किया गया है। इस कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शिव चंद्राकर के नेतृत्व में 5 फरवरी 2026 को दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में एक महत्वपूर्ण रूपरेखा बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय बजट 2026-27 में शामिल नवीन नियमों, प्रावधानों एवं जनहितकारी घोषणाओं को उद्योगपतियों, व्यापारियों एवं विभिन्न वर्गों तक सरल एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही संवाद कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु दायित्वों का विभाजन कर सभी कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, श्रीमती सीपी दुबे, मिनेश जैन, उमाकांत त्रिपाठी, व्यापार प्रकोष्ठ भिलाई के जिला संयोजक राजेश गुप्ता, सहसंयोजक रजनीकांत पांडेय, राहुल परिहार, अजीत पवार, भूपेंद्र यादव, अशोक द्विवेदी, पंकज सोनी, हेमंत कुमार गोयल एवं परमजीत सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में यह भी तय किया गया कि केंद्रीय बजट 2026-27 के सकारात्मक प्रभावों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु संगठित एवं प्रभावी संवाद स्थापित किया जाएगा, जिससे उद्योग, व्यापार एवं आम नागरिकों को बजट से मिलने वाले लाभों की स्पष्ट जानकारी मिल सके।

ऊर्जा के क्षेत्र में छग की प्रगति बेमिसाल, 25 वर्षों में 74 हजार से बढ़कर 8 .5 लाख हुए कृषक उपभोक्ता- यादव

सेवानिवृत्त कर्मियों और आदर्श उपभोक्ताओं का किया गया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत आज छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल), दुर्ग क्षेत्र द्वारा शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय (साइंस कॉलेज) दुर्ग परिसर स्थित राधाकृष्ण सभागार में एक भव्य क्षेत्रीय समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद इन 25 वर्षों में यदि छत्तीसगढ़ ने किसी क्षेत्र में सर्वाधिक प्रगति की है, तो वह ऊर्जा का क्षेत्र है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि राज्य गठन के समय हमारे पास मात्र 74,000 कृषक उपभोक्ता थे, जो आज बढ़कर 8.5 लाख हो चुके हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ कृषि और ऊर्जा के समन्वय से कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

श्री यादव ने राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री के योगदान को याद करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल को स्वतंत्र पहचान दिलाई। उन्होंने गंगरेल (रविशंकर जलाशय) बांध पर बिजली उत्पादन परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण जो काम ढाई साल में होना था, वह रिकॉर्ड 18 महीने से भी कम समय में पूरा हुआ। मंत्री श्री यादव ने वतर्मान विष्णुदेव साय सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए कहा कि नवा रायपुर में सेमीकंडक्टर प्लांट और विद्युत ट्रांसफार्मर के नए प्लांट लगने जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर जोर देते हुए कहा कि हमें अब ऊर्जा के नए विकल्पों की ओर बढ़ना होगा ताकि उपभोक्ताओं को बिजली बिल से मुक्ति मिल सके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक (दुर्ग ग्रामीण) ललित चंद्राकर ने ऊर्जा शक्ति को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया।

विशिष्ट अतिथी के रुप में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्ग श्रीमती सरस्वती बंजारे ने अपने उद्बोधन में लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित किया एवं 25 वर्षों में हुए विद्युत विकास की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत में भूमिका बताते हुए सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने दुर्ग क्षेत्र में 25 वर्षों में हुए विद्युत विकास को साझा किया।

समारोह में विभाग के प्रति समर्पित सेवा देने वाले सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कमर्चारियों को शाल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही, समय पर बिल भुगतान करने वाले और ऊर्जा संरक्षण अपनाने वाले आदर्श घरेलू, कृषि व बीपीएल उपभोक्ताओं सहित सर्वप्रथम सौर ऊर्जा अपनाने वाले नागरिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में ओपन चित्रकला प्रतियोगिता, साइंस कॉलेज में आयोजित नारा लेखन, निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को भी पुरुस्कृत किया गया।

कार्यक्रम स्थल पर विभाग द्वारा विशेष स्टॉल लगाए गए थे, जहां पीएम सूर्यघर योजना के लिए ऑन-स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा और तकनीकी मार्गदर्शन के लिए विशेषज्ञ डेस्क उपलब्ध रहे। इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथियों में विधायक अहिवारा डोमनलाल कोसर्वाड़ा, विशेष अतिथि साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ अजय कुमार सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधियों सहित सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के समस्त अधिकारी एवं कमर्चारी और बड़ी संख्या में विद्युत उपभोक्ता व विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के अतिरिक्त मुख्य अभियंता एच.के. मेश्राम द्वारा किया गया।

दुर्ग कलेक्टर अभिजीत ने विकास कार्यों के लिए दी प्रशासकीय स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा सांसद स्थानीय निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के दो निर्माण कार्य के लिए 15 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। लोकसभा सांसद विजय बघेल द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यो का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दुर्ग द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार आमटी के कोसरिया पारा में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 12 लाख रूपए और सिरसाखुर्द के साजा रावत मंदिर प्रांगण में शौचालय निर्माण कार्य हेतु 03 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

पाटन विधानसभा क्षेत्र

पाटन विधानसभा क्षेत्र के दो तकनीकी कार्य के लिए 09 लाख 99 हजार 94 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यो का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी कार्यपालन अभियंता सीएसपीडीसीएल अहिवारा द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद कुम्हारी में वार्ड क्र. 07 में विद्युत पोल कार्य के लिए 04 लाख 99 हजार 94 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

इसी तरह विधानसभा क्षेत्र पाटन विधायक भूपेश बघेल द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यो का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी कार्यपालन अभियंता सीएसपीडीसीएल अहिवारा द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नया विद्युत ट्रांसफार्मर वार्ड क्र. 13 परसदा धरसा रोड कुम्हारी में 05 लाख 99 हजार 94 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

अहिवारा विधानसभा क्षेत्र

अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के दो विकास कार्य के लिए 05 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यो का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सुरजीडीह में मंच निर्माण कार्य हेतु 02 लाख रूपए और ग्राम पंचायत परसदा में (शा.प्राथ.मा.) बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य हेतु 03 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

भिलाई नगर विधानसभा

भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र के 13 विकास कार्यो के लिए 55 लाख 98 हजार 536 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक देवेन्द्र यादव द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यो का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा किया जाएगा।

जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्र. 43 बापूनगर, खुर्सीपार में शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के समीप सार्वजनिक उद्यान का सौंदर्यीकरण एवं प्रकाश व्यवस्था कार्य हेतु 15 लाख रूपए, वार्ड क्र. 39 चन्द्रशेखर आजाद नगर खुर्सीपार (पूर्व में शासकीय मद से निर्मित) सावर्जनिक मंच में टाईल्स एवं रंगरोगन कार्य हेतु 99 हजार 835 रूपए, वार्ड क्र. 47 न्यू खुर्सीपार भिलाई काली बाड़ी में सार्वजनिक भवन का संधारण कार्य हेतु 04 लाख रूपए, वार्ड क्र. 50 शास्त्री नगर खुर्सीपार यादव पारा पानी टंकी के पास (20 इनटू 30) सार्वजनिक मंच एवं डोमशेड निर्माण कार्य हेतु 5 लाख रूपए, वार्ड क्र. 50 सड़क 28 शास्त्री नगर खुर्सीपार में सार्वजनिक गणेश मंच के ऊपर शेड निर्माण कार्य हेतु 02 लाख 50 हजार रूपए, वार्ड क्र. 44 श्रीराम परिसर स्ट्रीट नं. 50 जोन क्र. 2 खुर्सीपार भिलाई में 01 नग सार्वजनिक कमरा निर्माण कार्य हेतु 04 लाख 49 हजार 653 रूपए, वार्ड क्र. 46 दुर्गा मंदिर खुर्सीपार में नहर किनारे स्थित सामुदायिक भवन के समीप सार्वजनिक चबूतरा का सौंदर्यीकरण कार्य हेतु 49 हजार 705 रूपए, वार्ड क्र. 49 खुर्सीपार में मस्जिद के समीप सार्वजनिक सामुदायिक भवन सह शौचालय एवं स्नानागाह निर्माण कार्य हेतु 9 लाख 49 हजार 553 रूपए है।

वहीं वार्ड क्र. 43 खुर्सीपार में विभिन्न स्थानों पर लगे पोल का संधारण एवं लाईट व्यवस्था कार्य हेतु 01 लाख 99 हजार 790 रूपए, वार्ड क्र. 46 मिनीमाता नगर खुर्सीपार में सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 04 लाख रूपए, वार्ड क्र. 50 शास्त्री नगर खुर्सीपार पानी टंकी के पास सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 06 लाख रूपए, वार्ड क्र. 49 सुभाष मार्केट खुर्सीपार में 01 नग बोर खनन कार्य हेतु 01 लाख रूपए और वार्ड क्र. 49 खुर्सीपार के शिव मोहल्ला में 01 नग बोर खनन कार्य हेतु 01 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

भावनाओं से सजी विदाई: हेरिटेज स्कूल के छात्रों को दी उज्ज्वल भविष्य का आशीष

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हेरिटेज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, दुर्ग में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित विदाई समारोह भावनाओं, सम्मान और आत्मविश्वास से भरा रहा। 4 फरवरी को हुए इस भव्य आयोजन में छात्रों को उनके सुनहरे भविष्य के लिए आशीर्वाद और प्रेरणा का संबल मिला। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। गीत, नृत्य और मनोरंजक खेलों ने पूरे सभागार को उत्साह से भर दिया।

समारोह में विद्यालय प्रबंधन समिति के निर्देशक बृजमोहन उपाध्याय, इंफ्रास्ट्रक्चर निर्देशक मनीष तिवारी, एकेडमिक डायरेक्टर एवं प्राचार्या श्रीमती दीप्ति तिवारी, संयुक्त सचिव उमाकांत मिश्रा सहित अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को

आशीर्वचन प्रदान किए। उन्होंने कहा कि परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी है।

शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को जीवन में ईमानदारी, मेहनत और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की सीख दी। कार्यक्रम का सफल आयोजन कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा किया गया, जिनकी मेहनत और रचनात्मकता सराहनीय रही। इस दौरान कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय जीवन की यादें साझा कीं, जिससे माहौल भावुक हो गया। समारोह में विद्यार्थियों को विभिन्न टाइटल देकर सम्मानित किया गया, जिससे कार्यक्रम और अधिक आकर्षक बन गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ तथा सामूहिक चित्र के माध्यम से यादगार पलों को सहेजा गया। यह विदाई समारोह छात्रों के जीवन का एक यादगार पड़ाव बन गया, जो उन्हें आगे बढ़ने की नई ऊर्जा देता रहेगा।

सेवाभाव | ब्लड बैंक दुर्ग में हर वर्ष आयोजित होता है विशाल रक्तदान शिविर

बिटिया तनिशी के जन्मदिन पर 202 यूनिट रक्तदान कर बनाया यादगार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

एक पिता का अपनी बेटी को लेकर प्यार ऐसा कि हर साल बिटिया परी के जन्मदिवस को यादगार बनाने और सामाजिक सरोकार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पिता के द्वारा रक्तदान शिविर लगवाया जाता है। सिकलिंग, थैलेसिमिया पीड़ित बच्चों को रक्त की नियमित आवश्यकता एवं ईलाज के दौरान रक्त की कमी होने से रक्त का अभाव न हो इसी उद्देश्य से सेवाभावी तृपेश शर्मा की इकलौती पुत्री तृपेश शर्मा के 14वां जन्मदिवस 25 जनवरी को दुर्ग जिला ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

आयोजित विशेष रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का रक्तदान करने ब्लड बैंक पर बैच व टुकड़ो-टुकड़ो में रक्तदान होता रहा तृपेश शर्मा के परिवार जनों ने भी रक्तदान किया। मित्रगण, व्यपारी वर्ग, विभागीय अधिकारी व कमर्चारियों को भी रक्तदान के लिये प्रेरत कर रक्तदान करवाया। रक्तदान शिविर में रूंगटा डेटल कॉलेज, पुलिस लाईन, रक्षित निरीक्षक केन्द्र, परिश्रमी सामाजिक समिति दिशा, छ.ग. प्रदेश स्वास्थ्य कमर्चारी संघ दुर्ग, चेम्बर ऑफ कार्मस, श्री जलाराम रिसायकलस दुर्ग, सेव इंडियन फैमली, नव दृष्टि फाउंडेशन, दुर्ग-भिलाई मोबाईल एशोसिएशन एवं दुर्ग भिलाई के रक्तदाताओं ने रक्तदान कर कुल 202 यूनिट रक्तदान किया।

तृपेश शर्मा अपनी पुत्री के जन्मदिवस 25 जनवरी 2026 को रक्तदान शिविर का आयोजन करते आ रहे है विगत वर्ष 2021 को 110 यूनिट, वर्ष 2022 को 101 यूनिट, वर्ष 2023 को 147 यूनिट, वर्ष 2024 को 213 यूनिट, वर्ष 2025 को 202 यूनिट एवं वर्ष 2026 को 202 यूनिट रक्तदान किया गया शिविर में कुल 269 लोगों ने रक्तदान हेतु पंजीयन करवाया जिसमें 67 अनफिट पाये गये। रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का हीमोग्लोबिन व ब्लड ग्रुपिंग की सुविधा उपलब्ध करायी गयी थी संग्रहित किये गये रक्तयूनिट ब्लड ग्रुप के अनुसार 202 रक्त यूनिट दान किया गया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, श्याम शर्मा सभापति नगर निगम दुर्ग, सुरेन्द्र कौशिक, इंद्रजीत सिंह, डॉ. मनोज दानी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला दुर्ग, डॉ. आशीषन कुमार मिंज सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय दुर्ग, डॉ. जय प्रकाश मेश्राम नोडल अधिकारी ब्लड बैंक जिला दुर्ग (पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला दुर्ग), राजेश यादव पूर्व सभापति नगर निगम, रोशन सिंह एवं समस्त ब्लड बैंक कमर्चारी, प्रमोद वाघ, कोषाध्यक्ष जिला प्रबंध समिति रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग, जीवन लाल ताम्रकार, सदस्य जिला प्रबंध समिति रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग उपस्थित रहे, रक्तदाताओं को उत्साहित कर प्रमाण पत्र वितरित किये एवं पुत्री तनीषी को जन्मदिवस पर दीर्घायू की कामना से शुभ-आशीष दिये।

तृपेश शर्मा परिवार, डॉ. अतुल अग्रवाल परिवार, धीरज राव इंगले, तरूण आड़तिया, नितिन शर्मा, अभिनव शर्मा, केतन पठारिया, विकास यादव, रवि देशमुख रूपेश सर्पे, गणेश, राकेश गोलछा, शेखर ताल्लूरी, खिलावन चंद्राकर, भूपेश उपाध्याय, श्याम शर्मा, संजीव दुग्गड़, अमित बडजात्या, अधिवक्ता राजकुमार तिवारी, अधिवक्ता जितेन्द्र देशमुख, प्रवीण नायक, अजय रेड्डी, आशित मंडल, संजय मैत्री, अकरम गौरी सपरिवार, दीनबंधु मेश्राम "किण्डोदादा" नितेश ताम्रकार व अन्य रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। शिविर आयोजन से रक्तदान हेतु आमजन में उत्साह एवं संकारात्मक संदेश का प्रसार हुआ। स्वास्थ्य विभाग व ब्लड बैंक ने समस्त रक्तदाताओं को शुभकामनायें एवं आभार प्रेषित कर भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा चाही गई है।

15 लोगों ने जीवन का प्रथम बार किया रक्तदान

शिविर में 15 रक्तदाताओं ने अपने जीवन का प्रथम रक्तदान 02 जोड़े पति-पत्नी, 02 जोड़े पिता-पुत्र ने रक्तदान किया। आयोजित शिविर में जिला आयुर्वेद अधिकारी दुर्ग डॉ. दिनेश चंद्रवशी ने स्वयं अपना रक्तदान किया। उमेश कुमार भागवतकर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा कहा गया कि प्रत्येक व्यक्ति रक्तदान को अपना कर्तव्य एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें रक्तदान के दौरान ब्लड बैंक में जमा की गई रक्त यूनिट मरीजों के जान बचाने के काम आयेगी। उनकी दुवायें सभी रक्तदाताओं और तनीषी नई उर्जा और ताकत देती रहेगी।

छत्तीसगढ़िया कथावाचक पंडित युवराज को पुलिस सुरक्षा प्रदान करने की माँग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कथावाचक, अमलीपदर जिला-गरियाबंद निवासी आचार्य पंडित युवराज पांडे के ऊपर अब तक 7 बार हमला दुर्घटना हो चुका है. बीते माह गरियाबंद के पास उनके वाहन को सडक पर दूसरे वाहन ने छतिग्रस्त किया था जिसमे बाल बाल उनकी जान बची। गरियाबंद थाने मे घटना की रिपोर्ट दर्ज किया गया था। कुछ दिनों पूर्व रायपुर के निकट उनकी शिवपुराण की कथा का विशाल आयोजन किया गया था, जिसमे अपार लोग शामिल हुये थे। इस विशाल आयोजन स्थल पर भी पुलिस सुरक्षा का शुरुआत में कोई इंतजाम नही देखा गया, बाद में जो पुलिस बल तैनात किया गया नाकाफी था ।

आचार्य पं. युवराज पांडे अपने धार्मिक कथा के माध्यम से सनातन धर्म, संस्कृति व परम्पराओ को बढाने, संरक्षित करने के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा छत्तीसगढी, लोक कला, संस्कृति,

परम्पराओ, मान्यताओ, को आगे लाने, बढ़ाने के लिये कार्य कर रहे है। जिससे पुरे देश के साथ ही विश्व में छत्तीसगढ राज्य की संस्कृति को पहचान व प्रसिद्धी मिल रहा है। राज भाषा छत्तीसगढ़ी के उनका योगदान व समर्पण विशेष रुप से उल्लेखनीय है। आचार्य पं. युवराज पांडे हमारे राज्य छत्तीसगढ की धरोहर है। हमारे राज्य के ब्रांड एम्बेसेडर है, उनके लाखो चाहने वाले अनुयायियो के साथ हमारे संगठन को भी उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता है। हाल की घटनाओ से यह चिंता और बढ़ गयी है।

पृष्ठासन से कहें थकान को अलविदा

तिर्यक कटिचक्रासन और पृष्ठासन ऐसे ही आसन हैं जिन्हें साथ-साथ किया जा सकता है. इससे संतुलन बना रहता है और शरीर के हर अंग की मालिश भी हो जाती है।

- सांस भरें और फिर सीधे खड़े हो जाएं। यह पूरा एक चरण है। तीन बार इसका अभ्यास करना चाहिए।
- पेट में अल्सर, उच्च रक्तचाप, श्याटिका या स्लिप डिस्क की समस्या होने पर पृष्ठासन का अभ्यास नहीं करें।

कैसे करें?

- सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों में डेढ़ फुट का अंतर रखें। दोनों हाथों की अंगुलियों को आपस में गूंथ लें. अब सांस भरें और दोनों बाजुओं को सिर के ऊपर लाएं।
- बाजू सीधा रखें। कलाई को पलटें ताकि हथेली का रूख आकाश की ओर रहे। अब सांस छोड़ते हुए कमर से आगे 90 डिग्री के कोण पर झुकें। सामने हथेली की ओर देखें। सांस बाहर रोककर रखें।
- अपने शरीर और बाजुओं को ज्यादा से ज्यादा दाईं ओर घुमाएं। इसी तरह बाईं ओर घुमाएं। सांस भरें और सीधे खड़े हो जाएं। अब सांस निकालते हुए हाथों को नीचे कर लें। यह एक पूरा चरण है।

पृष्ठासन

- नियमित अभ्यास से पैरों की मॉंसपेशियां मजबूत बनती हैं।

आसन प्रयोग

- सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों में डेढ़ फुट का अंतर रखें। पैरों को समानांतर नहीं रखें। दोनों पैरों की अंगुलियों को थोड़ा बाहर की ओर मोड़ लीजिए।
- दोनों हाथों को नितम्ब के नीचे यानी जंघाओं के पिछले भाग पर सटाकर रखें। सांस भरें और सांस छोड़ते हुए घुटनों को थोड़ा मोड़ें। कमर से पीछ झुकते जाएं और हाथों को नीचे सरकाते जाएं।
- पीछे झुकते हुए अगर आप हाथों को घुटनों के पिछले भाग तक पहुंचा सकें तो बहुत अच्छा है। अभ्यास हो जाने पर आप अपने हाथ टखनों तक पहुंचा सकते हैं। लेकिन पीछे झुकने में जल्दबाजी नहीं करें और संतुलन बनाकर रखें।
- पृष्ठासन करने समय सिर को पीछे की ओर ढीला छोड़ दें। इस अवस्था में कुछ सेकेंड रुकने का प्रयास करें।

ध्यान दें

पांच बार इस इस आसन का अभ्यास करें। श्याटिका या स्लिप डिस्क की समस्या होने पर आगे की ओर झुकने वाले आसन नहीं करें। तिर्यक कटिचक्रासन कंधे, पीठ और कमर की मांसपेशियों को व्यायाम देता है और उनकी शक्ति बढ़ाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से कमर की जकड़न दूर होती है। शारीरिक और मानसिक तनाव कम करने में भी यह आसन सहायक है।

क्या है लाभ?

पृष्ठासन करने से पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आता है। इससे पेट के सभी अंगों की कार्यक्षमता बढ़ती है और स्फूर्ति आती है। नियमित अभ्यास से पीठ और कमर के हिस्से में रक्त का संचार बढ़ जाता है। पीठ और कमर की जकड़न दूर होती है। तंत्रिकाओं को ताकत मिलती है और ताजगी की अनुभूति होती है। साथ ही मानसिक संतुलन बढ़ता है।

व्यक्तित्व से स्वभाव बनता है विनम्र या आक्रामक

आपका विनम्र या आक्रामक होना आपके व्यक्तित्व पर निर्भर करता है। यह खुलासा एक नए सर्वे में हुआ है। न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय के सर्वेकर्ता पीटर बिरो कहते हैं कि अक्सर एथलीट्स या शारीरिक रूप से सक्रिय रहने वाले लोगों को आक्रामक और सामाजिक बताया जाता है जबकि सुस्त रहने वाले लोगों के बारे में कहा जाता है कि वे सामाजिक गतिविधियों के प्रति अनभिज्ञ रहते हैं या दब्बू होते हैं। जर्नल 'ट्रेंड्स इन इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन' के मुताबिक बिरो के नए अध्ययन में शरीर की क्षयापचय दर और व्यक्तित्व के बीच एक सम्बंध देखा गया है। क्षयापचय क्रिया में भोजन ऊर्जा में परिवर्तित होता है। इस सर्वे में मालूम हुआ है कि विनम्र या आक्रामक होना क्षयापचय क्षमता से सम्बंधित होता है।

डैंड्रफ से परेशान हैं अपनाएं ये नुस्खें...

खूबसूरत बालों की इच्छा तो हर किसी की होती है लेकिन बदलते मौसम में अगर ध्यान न दिया जाए तो आपके बालों को नजर लग सकती है रुसी की। सही समय पर अगर रुसी से बालों को न बचाया जाए तो ये आपके बालों के लिए बेहद खतरनाक भी साबित हो सकती है इसलिए अब हो जाइए तैयार अपने बालों की देखभाल करने के लिए। रेशमी, काले और घने बाल की तमन्ना हर किसी को रहती है। बालों को सुंदर बनाए रखने के लिए लोग हजारों रुपए तक खर्च कर डालते हैं। कभी बालों का कलर बदलना तो कभी उसके लिए नए-नए प्रयोग करना। सुंदर बालों की चाहत रखने वाले अपनी इच्छा पूरी करने के लिए लगातार कुछ न कुछ करते रहते हैं। लेकिन इस दौरान लोग जिस खास बात का ध्यान नहीं देते हैं वो है बालों में जमने वाली रुसी। रूसी की वजह से देखते ही देखते बालों का हाल बुरा होने लगता है। बाल झड़ने लगते हैं और फिर आपकी चाहत साल दर साल गंजेपन में तब्दील होने लगती है।

वाणी ही है सुख दुःख की वजह

हमारे जीवन में वाणी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। वेदों के गूढ़ अर्थों से परिपूर्ण सूत्र ही कठिन समय में आपके सबसे विश्वसनीय साथी हो सकते हैं। देखा जाए तो अक्सर लोगों की शारीरिक कमजोरियों या दूसरे कारणों से बहुत जल्दी गुस्सा आ सकता है, इन व्याधियों की वजह से आप बहुत जल्दी खीझ सकते हैं। इसलिए रोज सुबह जब आप अपनी दिनचर्या तय करते हैं, तब सबसे पहले यह तय करें कि किसी से भी निरर्थक वार्तालाप नहीं करेंगे, जो कुछ कहेंगे वह अर्थपूर्ण होगा, कोई बात यदि पसंद नहीं आएगी तो उसे शालीनता से अस्वीकृत करेंगे-चिढ़ कर, खीझ कर नहीं।

विख्यात दार्शनिक इमर्सन ने कहा है-संसार को दुखमय बनाने वाली अधिकांश व्याधियां वाणी के विकार से उत्पन्न होती हैं। विश्व का इतिहास इसका साक्षी है कि गलत बातों ने गजब का कहर ढाया है इसीलिए कहा भी जाता है कि बाण का, तीर का घाव तो भर जाता है, लेकिन वाणी का घाव कभी नहीं भरता।

महाभारत की पृष्ठभूमि में जो प्रधान कारण गिनाए जाते हैं, उनमें द्रौपदी द्वारा दुर्योधन को दिया गया यह ताना भी शामिल है कि-अंधे का पुत्र अंधा। वाणी के इस महत्व के कारण ही वेदों में ऋषियों ने वाणीगत व्यवहार के अमर सूत्र दिए हैं- सत्यं वद, प्रियं वद, मधुरं वद अर्थात सत्य बोलें, प्रिय बोलें, मधुर बोलें।

रोगी अथवा उनकी देखरेख करने वालों के लिए वाणी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। वेदों के ये तीन सूत्र ही इस समय में ऐसे लोगों सबसे विश्वसनीय साथी हो सकते हैं।दरअसल, रोगी शारीरिक कमजोरियों या दूसरे कारणों से बहुत जल्दी गुस्से में आ सकता है, वह बहुत जल्दी खीझ सकता है। इसलिए उनके प्रति देखरेख करने वालों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। अत: उन्हें संवेदनशील होने के नाते सबसे पहले यह तय करना होगा कि किसी भी हालत में रोगी से भी निरर्थक वार्तालाप नहीं करें, जो कुछ कहें वह अर्थपूर्ण हो, कोई बात यदि वह पसंद नहीं करता तो उसे शालीनता से अस्वीकृत करें-चिढ़ कर, खीझ कर नहीं।

घर में रोगी के और सगे-संबंधी हो सकते हैं, वे उनसे तरह-तरह के सवाल, जिज्ञासाएं कर सकते हैं। यदि वे बच्चे हैं तो जाहिर है कि वे नहीं जानते कि अस्वस्थ्य व्यक्ति की मनोदशा क्या है, इसलिए वे किसी भी वक्त कुछ भी पूछ सकते हैं। ऐसे में रोगी के हितैषी होने के नाते आपको ही तय करना है कि आप तो उनकी बातों का कैसा रूख देते हैं और क्या जवाब दें, जिससे अनावश्यक तनाव न उत्पन्न होने पाए। यदि आप उनके मनोभाव को समझकर उनकी बातों का रोचक ढंग से जवाब देने की कोशिश करते हैं तो रोगी के साथ साथ ये बच्चे भी आपके मुरीद बन जाएंगे, आप इनकी जरूरत बन जाएंगे। यदि आपने ऐसा करने के बजाय उनकी जिज्ञासाओं के प्रति उपेक्षा का रवैया अपनाया या उन्हें झिड़कने की कोशिश की तो आपको दोहरी मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

रोगग्रस्त व्यक्ति के परिजन होने के नाते इस माहौल का असर सिर्फ बच्चों और आप तक सीमित नहीं रहता है, बल्कि प्राय: यह फैलते हुए आपके दूसरे रिश्तों को भी अपने घेरे में ले लेता है, क्योंकि आखिर ये सभी रिश्तेदार आपके ही परिवार का अहम हिस्सा होते हैं। शुरू-शुरू में आपके अपने इन बातों को नजरंदाज कर सकते हैं, लेकिन हर बात की एक सीमा होती है। यदि आपका कडा बर्ताव या बातचीत का ढंग नकारात्मक ही बना रहा तो एक दिन वे भी आपसे ऐसी बात कह सकते हैं, जो शायद आपको अच्छी न लगे।

यह भी देखने में आता है कि गंभीर बीमारियों से ग्रस्त रोगियों में से बहुत से लोग प्राय: नकारात्मक व्यवहार करने लगते हैं और ऐसी बातें करते हैं जिन्हें दूसरे लोग अशुभ मानते हैं, जैसे- अब अपना तो क्या, चार दिन के मेहमान हैं, अब तो ऊपर वाले के बुलावे का इंतजार है, जब बुला ले। वास्तविकता में जीवन और मृत्यु सब ईश्वर के हाथ में है, इसलिए ऐसी बातें करने वालों को ढांढ़स बंधाएं। उन्हें भरोसा दिलाएं कि जब तक जीवन है, तब तक जीवन की ही बात होनी चाहिए, जीवन की ही चर्चा करनी चाहिए। जहां तक मौत का सवाल है तो आप नहीं चाहेंगे, तब भी जब उसे आना है वह आ जाएगी। ऐसे में उसकी चर्चा कर, उनकी खूबियां बताकर बातों को शालीनता से पाजिटिव पुट देना सार्थक पहल होगी। माहौल को बोझिल बनने से बचाएं। दरअसल, पूरी जीवंतता आपकी वाणी में भी मुखर होनी चाहिए।

अपनी वाणी को रूग्ण की खुशी का कारण बनाएं, तकलीफ का नहीं। कोशिश करें कि आपकी वाणी मधुर हो और उसमें मनोविनोद भी शामिल हो।

यदि आपकी वाणी में रस छलकेगा तो आप कठिन क्षणों से आसानी से पार पा लेंगे। इसी अनुपात में आप देखेंगे कि आपके परिवार की तकलीफें भी कम होती जाएंगी, क्योंकि जब आप अच्छा बोलेंगे, अच्छे ढंग से बोलेंगे तो आपको इसका प्रतिसाद भी वैसा ही मिलेगा। वैसे भी आज की आपा-धापी भरी जिंदगी में लोगों के बोलने का ढंग भी तनाव ग्रस्त हो गया है। इसलिए वाणी के महत्व को समझें और उसे बुद्धिमानी से उपयोग करें।

यदि आपको कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करना है तो अखरोट और बादाम जैसी सूखी मेवा खूब खाएं। एक नए अध्ययन में स्पष्ट हुआ है कि इससे रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है।

यदि कम करना हो कोलेस्ट्रॉल का स्तर...

हृदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कम करने और रक्त में लिपिड (वसा व कोलेस्ट्रॉल) का स्तर कम करने की अखरोट, बादाम व मूंगफली जैसी सूखी मेवा की पोषण संबंधी अद्वितीय विशेषताओं के चलते इन पर ज्यादा अध्ययन किया जा रहा है। इस तरह की सूखी मेवा में पौधों के प्रोटीन, वसा (खासकर असंतृप्त वसा अम्ल), खाने योग्य रेशे, खनिज, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइटोस्टीरॉइड्स जैसे अन्य यौगिकों की मात्रा अधिक होती है।

कैलिफोर्निया के लोमा लिंडा विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ता जोएन सैबेटी और उनके साथियों ने सात देशों के कोलेस्ट्रॉल की उच्च मात्रा व कोलेस्ट्रॉल की सामान्य मात्रा वाले 583 स्त्री-पुरुषों को 25 परीक्षणों में खाने के लिए अखरोट देने के बाद इन परीक्षणों में प्राप्त प्राथमिक आंकड़ों का अध्ययन किया था। इन सभी परीक्षणों में लोगों को दो समूह में बांटा गया था। एक समूह के लोगों को खाने के लिए अखरोट नहीं दिया गया, जबकि दूसरे समूह को अखरोट दिया गया। अध्ययन में शामिल लोगों को लिपिड की मात्रा कम करने के लिए कोई दवा नही दी गई थी। अध्ययन मे शामिल प्रतिभागियों ने प्रतिदिन औसतन 67 ग्राम अखरोट का सेवन किया था। इसके बाद उनमें कोलेस्ट्रॉल की सांद्रता में 5.1 प्रतिशत की कमी, कम-घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (खराब कोलेस्ट्रॉल) में 7.4 प्रतिशत की कमी और उच्च-घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) के स्तर में 8.3 का बदलाव देखा गया। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि अखरोट, बादाम या मूंगफली के सेवन से होने वाला असर इन सूखी मेवाओ की ली जाने वाली मात्रा पर निर्भर करता है और सभी प्रकार की सूखी मेवाएं रक्त में मौजूद लिपिड के स्तर पर समान प्रभाव डालती हैं।

आईटी पार्क युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और नवाचार का नया द्वार खोलेगा - मंत्री गजेन्द्र यादव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग-भिलाई को आईटी और तकनीकी क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) भिलाई एवं छत्तीसगढ़ शासन के बीच आईटी पार्क के साथ 40 प्रतिष्ठित आईटी कंपनियों के साथ एमओयू संपन्न हुआ। यह महत्वपूर्ण आयोजन पीडब्ल्यूडी सभागार, दुर्ग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, मंत्रीमंडल के सदस्य, विधायकगण एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुई।

इस पहल के माध्यम से दुर्ग जिला तेजी से आईटी और टेक्नोलॉजी हब के रूप में उभरेगा।

आईआईटी भिलाई और 40 आईटी कंपनियों के साथ एमओयू

जिले में स्थापित होने वाला यह पहला आईटी पार्क युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और नवाचार के अनेक नए अवसर उपलब्ध कराएगा। इससे स्थानीय युवाओं को अपने ही जिले में आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण, उद्योगों से जुड़ा व्यावहारिक अनुभव और रोजगार प्राप्त होगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि आईटी पार्क की स्थापना दुर्ग जिले और प्रदेश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा एक बड़ा और दूरगामी कदम है। यह पार्क न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाएगा, बल्कि शिक्षा, प्रशिक्षण, रिसर्च और स्टार्टअप संस्कृति को भी नई दिशा देगा। आने वाले समय में दुर्ग-भिलाई को एक सशक्त टेक्नोलॉजी और नवाचार केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। आईटी पार्क में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स, फिनटेक, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे स्थानीय कंपनियों को कुशल तकनीकी संसाधन उपलब्ध होंगे और युवा प्रतिभाओं को बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम करने का अवसर मिलेगा।

यह पहल युवाओं के पलायन को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अब जिले के युवा अपने ही शहर में उच्च स्तरीय आईटी अवसर प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही दुर्ग-भिलाई क्षेत्र की आईटी कंपनियों को भी कुशल मानव संसाधन उपलब्ध होगा, जिससे वे नई तकनीकों पर तेजी से कार्य कर सकेंगी। आईटी पार्क की स्थापना से दुर्ग-भिलाई न केवल छत्तीसगढ़ का, बल्कि मध्य भारत का एक प्रमुख तकनीकी और डिजिटल विकास केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

खास खबर

कसडोल विधायक संदीप पहुंचे भोला साहू के घर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कसडोल विधानसभा से कांग्रेस विधायक संदीप साहू का शुक्रवार को भिलाई आगमन हुआ। विधायक संदीप परिवार के सदस्यों और साहू समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। विधायक संदीप साहू कैंप क्षेत्र के भाजपा नेता और साहू समाज के प्रतिष्ठित नागरिक भोला साहू के घर पहुंचकर सौजन्य मुलाकात के साथ भोजन ग्रहण किया। इस दौरान समाज के नागरिक विशेष रूप से उपस्थित थे। भोला ने विधायक संदीप साहू को समाजिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए घर आगमन के लिए आभार व्यक्त किया।

वार्ड क्रमांक 40 छावनी में स्वास्थ्य स्थिति सामान्य, सर्वे में कोई मरीज नहीं मिला

दुर्ग। नगर निगम भिलाई के वार्ड क्रमांक 40 छावनी क्षेत्र में आम नागरिकों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी व जिला सर्वेलेंस अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा क्षेत्र का निरीक्षण एवं सर्वे किया गया। सिविल हॉस्पिटल सुपेला भिलाई के प्रभारी अधिकारी डॉ. पियाम सिंग के नेतृत्व में विजय सेंजुले (सुपरवाइजर), हितेन्द्र कोसरे (बीईटीओ), स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ वार्ड क्रमांक 40 छावनी का भ्रमण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नियमित डोर-टू-डोर सर्वे किया जा रहा है। सर्वे के दौरान आज कुल 50 घरों का निरीक्षण किया गया, जिसमें किसी भी घर में उल्टी-दस्त से पीड़ित मरीज नहीं पाए गए। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य पाई गई है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा एहतियातन क्षेत्र में निरंतर निगरानी रखी जा रही है तथा डोर-टू-डोर सर्वे जारी है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे पानी उबालकर पिएं, सड़ी-गली सब्जियों एवं दूषित खाद्य पदार्थों का सेवन न करें तथा किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें। साथ ही अपने एवं अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है।

सेक्टर-9 अस्पताल में अचानक हृदयगति रुकने की स्थिति में, जीवनरक्षक कौशल का दिया गया प्रशिक्षण

हैंड्स-ओनली सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का चौथा सत्र आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र द्वारा 2 फरवरी, 2026 को हैंड्स-ओनली सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों में जन जागरूकता बढ़ाना तथा आपातकालीन परिस्थितियों, विशेषकर अचानक हृदयगति रुकने की स्थिति में, जीवनरक्षक कौशल प्रदान करना था। यह पहल चिकित्सालय द्वारा सामुदायिक आपातकालीन तैयारियों को सुदृढ़ करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। कार्यक्रम का संचालन मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम में आम नागरिकों को केंद्र में रखते हुए उन्हें हैंड्स-ओनली सीपीआर की सही तकनीक से अवगत कराया गया, ताकि वे किसी भी आपात स्थिति में चिकित्सकीय सहायता के पहुंचने से पूर्व त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया दे सकें। प्रशिक्षण सत्र में विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि अचानक हृदयगति रुकने की स्थिति में आसपास मौजूद सामान्य नागरिकों की तत्परता एवं सही तकनीक से जीवन बचाने की संभावना उल्लेखनीय रूप से बढ़ जाती है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पहले जीवंत प्रदर्शन के माध्यम से प्रक्रिया समझाई गई, तत्पश्चात संरचित प्रायोगिक अभ्यास सत्र आयोजित किए गए। इसमें कार्डियक अरेस्ट की शीघ्र पहचान, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को तुरंत सूचित करने तथा निरंतर एवं उच्च गुणवत्ता वाले चेस्ट कंप्रेशन की महत्ता पर विशेष बल दिया गया, जो उन्नत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होने तक रक्त संचार बनाए रखने में सहायक होते हैं।

हैंड्स-ओनली सीपीआर के व्यावहारिक प्रदर्शन एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. तनुजा, डॉ. कुमुदनी, डॉ. निलेश एवं डॉ. प्रिया द्वारा किए गए। उन्होंने प्रतिभागियों को चरणबद्ध तरीके से संपूर्ण प्रक्रिया समझाई, उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा वास्तविक परिस्थितियों में आत्मविश्वास के साथ सीपीआर देने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, भिलाई में हैंड्स-ओनली सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस को ओपीडी परिसर में नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिससे अधिक से अधिक नागरिक इस महत्वपूर्ण जीवनरक्षक कौशल से लाभान्वित हो सकें।

मैत्री बाग में बीएसपी का 'फ्लावर शो 2026' का आयोजन कल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के उद्यानिकी अनुभाग द्वारा 'फ्लावर शो 2026' का आयोजन 08 फरवरी को मैत्री बाग में किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र होंगे।

फ्लावर शो 2026 के अंतर्गत बीएसपी एवं नॉन-बीएसपी के रेसीडेंशियल हाउस गार्डन (सेक्टर-01 से 10), हॉस्पिटल सेक्टर, मरोदा सेक्टर, रिसाली तथा रुआबाँधा क्षेत्र में निवासरत प्रतिभागी प्रतियोगिताओं में भाग ले रहें हैं। इसके अतिरिक्त हाई स्कूल एवं मिडिल स्कूल (बीएसपी/नॉन-बीएसपी) के स्कूल गार्डन, पॉटिड प्लांट, कट फ्लावर, फ्लोरल डेकोरेशन, फल एवं सब्जियों से बने मॉडल, रंगोली, फल एवं सब्जियों की विशेष प्रदर्शनी, माला निर्माण, बुके तथा सलाद प्रतियोगिता

का भी आयोजन किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को अपने गमले, फूल एवं प्रदर्शनी सामग्री 8 फरवरी, 2026 को संध्या 7 बजे से पूर्व नहीं हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

फ्लावर शो 2026 के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें 'किंग ऑफ द शो' एवं 'क्वीन ऑफ द शो' सहित अन्य आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कारों का वितरण मुख्य अतिथि एवं अन्य सम्मानित अतिथियों द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही फ्लावर शो पर स्कूली बच्चों एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी जाएगी। नगर सेवाएं विभाग के उद्यानिकी अनुभाग ने नगरवासियों से 'फ्लावर शो' में अधिक से अधिक संख्या में आकर इस पुष्पोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

रूखखड़ स्वामी महोत्सव और महाशिवरात्रि पर्व का होगा भव्य शुभारंभ

खैरा से खैरागढ़ तक विशाल बाइक रैली से होगा महोत्सव का आगाज

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

रूखखड़ स्वामी महोत्सव एवं महाशिवरात्रि पर्व का भव्य शुभारंभ आगामी मंगलवार को विशाल बाइक रैली के साथ किया जाएगा। यह बाइक रैली 10 फरवरी को माँ नर्मदा मंदिर, खैरा- चकनार से प्रारंभ होकर बाबा श्री रूखखड़ स्वामी मंदिर, खैरागढ़ पहुँचेगी। रैली में लगभग 500 से अधिक बाइक सवारों के शामिल होने की संभावना है।

रैली की तैयारियों को लेकर गुरुवार को माँ नर्मदा मंदिर, खैरा-चकनार, गंडई में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए, बाइक रैली के अगुवाईकर्ता खम्हन ताम्रकार ने कहा कि भगवान भोलेनाथ एवं माँ नर्मदा के अनन्य भक्त बाबा रूखखड़ स्वामी की परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष पदयात्रा की परंपरा का विस्तार

बाइक रैली के रूप में किया जा रहा है। यह रैली श्रद्धा, आस्था और सामाजिक एकता का संदेश देगी।

वहीं हिंदू जन जागरण समिति के अध्यक्ष प्रकाश जंघेल ने क्षेत्र के धर्मप्रेमियों और शिवभक्तों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस धार्मिक बाइक रैली में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सनातन संस्कृति, शिवभक्ति और सामाजिक समरसता को सशक्त करने का सशक्त माध्यम बनेगा। रूखखड़ स्वामी महोत्सव एवं महाशिवरात्रि पर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। श्रद्धालुओं में आयोजन को लेकर विशेष उमंग और उत्साह देखा जा रहा है। बैठक में जिला पंचायत सदस्य ललित चोपड़ा, रामा साहू, दूजेराम वर्मा, रमेश जंघेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

राजनीति

नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने के लिए देने वाले वाहन स्वामियों से 1000-1000 रुपये का अर्थदंड वसूला

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर हुई चालानी कार्यवाही

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

यातायात पुलिस द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त दिशा - निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने नित नए प्रयोग के साथ ही आमजनों के बीच जाकर लोगों की जान माल की रक्षा हेतु पिछले पूरे एक माह जन जागरूकता का

कार्यक्रम चलाया गया था। जागरूकता अभियान उपरांत सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु विशेषरूप से नाबालिक बच्चों के द्वारा वाहन चलाने के प्रकरणों में कार्यवाही करते हुयें खैरागढ़ मुख्य टेंपो चौक में चेकिंग में नाबालिक बच्चों द्वारा वाहन चलाने के प्रकरण व उनके वाहन स्वामियों पर तथा 07 बिना लाइसेंस व अन्य 05 प्रकरणों में चालानी कार्यवाही कर कुल 21 प्रकरण मे 28100 रूपये का अर्थदंड मोटर व्हीकल अधिनियम के अंतर्गत वसूला गया। भविष्य में भी यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी, जिला पुलिस के सी जी आप सभी से अपील करती है कि यातायात नियमों का पालन कर पुलिस का सहयोग करें।

विश्वविद्यालय में प्रभारी कुलसचिव के कार्यमुक्त होते ही प्रशासनिक कार्यों में आई तेजी

नियुक्ति

वेंकट रमन गुड़े ने संभाला कुलसचिव का कार्यभार

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में प्रभारी कुलसचिव डॉ. सौमित्र तिवारी के कार्यमुक्त होने के पश्चात सहप्राध्यापक वेंकट रमन गुड़े ने कुलसचिव का कार्यभार संभाल लिया है। उनके पदभार ग्रहण करते ही विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों में तेजी देखने को मिल रही है। कार्यभार संभालने के पहले ही दिन कुलसचिव कार्यालय में लंबित 60 से अधिक फाइलों को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित किया गया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में भी कार्यों की गति तेज हुई है। कुलसचिव कार्यालय का आलमारी खुलने पर और भी कई ऐसी फाइलें प्राप्त होंगी जो लंबित पड़ी है।

उल्लेखनीय है कि बीते कई महीनों से कुलसचिव कार्यालय में फाइलें लंबित थीं, जिन पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो पा रही थी। इससे कर्मचारियों में असंतोष का माहौल बना हुआ था। वेंकट रमन गुड़े द्वारा कुलसचिव का कार्यभार संभालने के बाद प्रशासनिक प्रक्रिया में सक्रियता आई है, जिससे कर्मचारियों में भी संतोष और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।

कुलपति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के हित में निरंतर कार्य किया जा रहा है। साथ ही कर्मचारियों की मांगों को शीघ्र पूरी करने के लिए आवश्यक कार्यवाही भी लगातार की जा रही है।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।